RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2022-2024 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 06 APRIL 2022 TO 12 APRIL 2022 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 07 ■ अंक 31 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

COVID के प्रकोप के कारण चीन के कारखाने की गतिविधि दो साल के निचले स्तर पर Page 4

क्या है 'बफर' पूंजी व्यवस्था, जिसका अभी इस्तेमाल नहीं करना चाहता RBI Page 5

27 कीटनाशकों पर सरकार लगाने वाली है प्रतिबंध Page 7

editoria!

एमएसएमई को बढ़ावा

भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाओं के सामने समावेशी विकास की सामानांतर चुनौती है. देशभर में फैला एमएसएमई सेक्टर महिलाओं, प्रवासियों और अल्पसंख्यकों समेत करोड़ों कामगारों को मुफलिसी के दलदल से निकाल सकता है. साथ ही, यह आत्मनिर्भर भारत के लिए सरकार की 'मेक इन इंडिया' मुहिम को ऊर्जा प्रदान करने में सक्षम है. इसी के मद्देनजर छोटे और मध्यम व्यवसायों के लिए केंद्रीय कैबिनेट द्वारा विश्व बैंक समर्थित 6062 करोड़ रुपये के वित्त पोषण को मंजूरी प्रदान की गयी है. प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एमएसएमई सेक्टर और स्थानीय व्यवसायों को गतिमान करने के उद्देश्य से अनेक फैसले किये गये हैं. कैबिनेट के इस फैसले से छोटे और मध्यम व्यवसायों की बाजार और क्रेडिट तक बेहतर पहुंच होगी. कारोबारी माहौल को बेहतर बनाने में क्रेडिट गारंटी योजनाओं की प्रभावी भूमिका है, इससे एमएसएमई को आर्थिक अनिश्चितताओं से निपटने में भी मदद मिलेगी. घरेलू उद्योगों के लिए रक्षा पूंजी बजट के 68 प्रतिशत आरक्षित होने से एमएसएमई सेक्टर को मजबूत आधार मिलेगा. साढ़े सात लाख करोड़ रुपये का सार्वजनिक निवेश अर्थव्यवस्था को मजबूती और छोटे व अन्य उद्योगों को नया अवसर प्रदान करेगा. देश में 1.3 करोड़ से अधिक एमएसएमई को अतिरिक्त क्रेडिट उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इमरजेंसी क्रेडिट लाइन गारंटी स्कीम (इसीएलजीएस) को मार्च, 2023 तक बढ़ाया गया है. इसे आत्मनिर्भर भारत अभियान पैकेज के तहत मई, 2020 में प्रारंभ किया गया था, ताकि लॉकडाउन से प्रभावित विभिन्न सेक्टर, विशेषकर छोटे और मध्यम उद्योगों को राहत मिल सके. रोजगार पैदा करने, ग्रामीण इलाकों तक औद्योगिक विकास, स्थानीय संसाधनों के प्रभावी इस्तेमाल और विविध प्रकार के उत्पादों को निर्यात योग्य बनाने में एमएसएमई सेक्टर में अपार क्षमता है. एमएसएमई मंत्रालय के अनुसार, देशभर में 10 करोड़ से अधिक रोजगार इस क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों से आता है. देश के सकल घरेलू उत्पाद में 38 प्रतिशत और कुल निर्यात तथा विनिर्माण में 45 प्रतिशत के योगदान के साथ यह सेक्टर सामाजिक और आर्थिक पुनर्संरचना में अहम है. यह क्षेत्र 6000 से अधिक पारंपरिक से लेकर हाईटेक उत्पाद विनिर्मित करता है. इस प्रकार, 2025 तक पांच ट्रिलियन आर्थिकी बनने की सरकारी महत्वकांक्षा को हासिल करने में यह अग्रणी भूमिका निभा सकता है. वर्तमान में सीमित बजट और डिजिटल तकनीकों तक पर्याप्त पहुंच नहीं होने से कुछ चुनौतियां भी हैं. नवाचार योजनाओं में अपर्याप्त निवेश, मांग के अनुरूप उत्पाद तैयार नहीं कर पाने और नये बाजारों तक पर्याप्त पहुंच नहीं होने से यह क्षेत्र जूझ रहा है. इसके लिए आवश्यक है कि निवेश और नये बाजारों तक पहुंच के लिए डिजिटल आर्थिकी से इसे समन्वित किया जाये. इससे उद्योग और अर्थव्यवस्था को लाभकारी तकनीकों का फायदा मिलेगा, साथ ही रोजगार के नये अवसर भी उपलब्ध हो सकेंगे.

कच्चे तेल की कीमतें बढ़ीं

यूरोप ने नए प्रतिबंध लगाने की योजना की घोषणा की

मुंबई। एजेंसी

बीते दिन मंगलवार को कच्चा तेल 0.91% की तेजी के साथ 7785 पर बंद हुआ था। कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि हुई क्योंकि यूरोप ने यूक्रेन में कथित युद्ध अपराधों पर मास्को को दंडित करने के लिए रूसी तेल आयात पर नए प्रतिबंध लगाने की योजना की घोषणा की, जिससे वैश्विक आपूर्ति पर चिंता बढ़ गई। यूरोपीय आयोग ने मंगलवार को रूस के खिलाफ नए प्रतिबंधों का प्रस्ताव रखा, जिसमें रूसी कोयला खरीदने और यूरोपीय संघ के बंदरगाहों में प्रवेश करने वाले रूसी जहाजों पर प्रतिबंध शामिल है। तेल की कीमतों को शांत करने के लिए, यू.एस.-सहयोगी देशों ने पिछले हफ्ते रणनीतिक भंडार से एक महीने में दूसरी बार समन्वित तेल रिलीज के लिए सहमति व्यक्त की। हालांकि, जापानी उद्योग मंत्री कोइची हागुडा ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) अभी भी रिलीज के विवरण की जांच कर रही है।

कजाकिस्तान ने रूस में कैस्पियन पाइपलाइन कंसोर्टियम टर्मिनल को नुकसान के बाद 87.5 मिलियन के पिछले लक्ष्य से इस साल अपने तेल उत्पादन का अनुमान 85.7 मिलियन टन तक घटा दिया है, अर्थव्यवस्था मंत्री अलीबेक कुआंत्रोव ने कहा। सीपीसी, जो कज़ाख कच्चे तेल के निर्यात का लगभग 80% शिप करता है, पिछले महीने अपने ब्लैक सी टर्मिनल से मूरिंग पॉइंट्स को तूफान से हुए नुकसान के बाद कुछ समय के लिए लोडिंग को रोकने के बाद आधी क्षमता पर काम कर रहा है। इंटरफैक्स समाचार एजेंसी ने बताया कि मार्च से अप्रैल की शुरुआत में रूसी दैनिक तेल और गैस घनीभूत उत्पादन में 4% की गिरावट आई है। मार्च में, रूसी तेल और गैस घनीभूत उत्पादन फरवरी में 11.06 मिलियन बीपीडी से गिरकर 11.01 मिलियन बैरल प्रति दिन (बीपीडी) हो गया।

तकनीकी रूप से बाजार शॉर्ट कवरिंग के तहत है क्योंकि बाजार में ओपन इंटरेस्ट में -4.04% की गिरावट के साथ 4651 पर बंद हुआ है, जबकि कीमतों में 70 रुपये की बढ़ोतरी हुई है, अब कच्चे तेल को 7663 पर समर्थन मिल रहा है और इससे नीचे 7542 के स्तर का परीक्षण देखा जा सकता है, और प्रतिरोध अब 7925 पर देखे जाने की संभावना है, ऊपर एक कदम से कीमतों का परीक्षण 8066 हो सकता है।

अब प्लास्टिक वेस्ट को खत्म करना होगा आसान, वैज्ञानिकों ने खोजा नया तरीका- स्टडी

एजेंसी

ब्रिटेन के साइंटिस्टों ने प्लास्टिक वेस्ट यानी प्लास्टिक के कचरे की वैश्विक समस्या के प्राकृतिक निदान की दिशा में अहम कदम बढ़ाया है। यहां कि यूनिवर्सिटी ऑफ पोर्ट्समाउथ की गई स्टडी में रिसर्चर्स ने एक विशेष एंजाइम का पता लगाया है, जो टीपीए यानी टेरेफ्थेलेट को तोड़ने में सक्षम है। टीपीए का इस्तेमाल पीईटी यानी पॉलीइथाइलीन टेरेफ्थेलेट प्लास्टिक बनाने में किया जाता है। पीईटी प्लास्टिक से एक बार उपयोग वाली पेय पदार्थ की बोतलें, कपड़े व कालीन आदि का निर्माण किया जाता है। इस स्टडी का नेतृत्व मोंटाना स्टेट यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर जेन डुबाइस और पोर्ट्समाउथ यूनिवर्सिटी के प्रो. जॉन मैकगीहन ने किया। इन्होंने साल 2018 में एक अंतरराष्ट्रीय टीम का नेतृत्व किया था, जिसने पीईटी प्लास्टिक को तोड़ने में सक्षम एक प्राकृतिक एंजाइम का निर्माण किया था।

क्या कहते हैं जानकार

प्रो. जॉन मैकगीहान के अनुसार,

'पिछले कुछ वर्षों में एंजाइम इंजीनियरिंग के जरिये पीईटी प्लास्टिक को बिल्डिंग ब्लाक्स के रूप में तोड़ने की दिशा में अविश्वसनीय प्रगति हुई है। इसके जरिये बिल्डिंग ब्लाक्स को सामान्य अणुओं में तब्दील कर दिया जाता है। इसके बाद बैक्टीरिया के जरिये प्लास्टिक कचरे को खाद के रूप में तब्दील कर दिया जाता है। उन्होंने आगे बताया कि हमने डायमंड लाइट सोर्स पर शक्तिशाली एक्स-रे के इस्तेमाल से टीपीएडीओ एंजाइम का 3डी ढांचा तैयार किया, जिससे पता चला कि ये किस प्रकार प्रतिक्रिया करता है। हर साल 400 मिलियन टन से अधिक प्लास्टिक कचरे का उत्पादन होता है, जिसका अधिकांश भाग लैंडफिल में समाप्त हो जाता है, यह आशा की जाती है कि यह कार्य टीपीएडीओ जैसे जीवाणु एंजाइमों में सुधार के द्वार खोलेगा। ये प्लास्टिक प्रदूषण की चुनौती से निपटने और जैविक प्रणालियों को विकसित करने में मदद करेगा, जो बेकार प्लास्टिक को मूल्यवान उत्पादों में बदल सकता है।

मध्यप्रदेश का जीएसटी राजस्व 22 प्रतिशत बढ़कर 22,206 करोड़ रुपये पर

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

कोविड-19 का प्रकोप घटने के बाद आर्थिक गतिविधियां तेज होने से वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान मध्यप्रदेश में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) राजस्व 22 प्रतिशत बढ़कर 22,206 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। राज्य के वाणिज्यिक कर विभाग के एक शीर्ष अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। वाणिज्यिक कर आयुक्त लोकेश कुमार जाटव ने बताया कि महामारी के प्रकोप वाले वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान राज्य में 18,231.82 करोड़ रुपये का जीएसटी संग्रह किया गया था। उन्होंने कहा कि प्रदेश के जीएसटी राजस्व में वृद्धि अर्थव्यवस्था में सुधार का स्पष्ट संकेत है।

यूक्रेन संकट

15 यूरोपीय देश अब भी रूस से ले रहे तेल

जर्मनी ने जल्दबाजी में कदम उठाने के खिलाफ चेताया

एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, कनाडा व संयुक्त राज्य अमेरिका ने यूक्रेन पर आक्रमण के बाद रूस से कच्चे तेल की खरीद पर प्रतिबंध लगा दिया है। हालांकि, यूरोपीय संघ के देशों में इस पर सहमति नहीं है। 27 यूरोपीय देशों में 12 ने रूस से आयात बंद कर दिया है, जबकि 15 देश अब भी खरीदारी कर रहे हैं।?सूत्रों का कहना है कि जर्मनी ने रूस के खिलाफ जल्दबाजी में कदम उठाने के खिलाफ चेतावनी दी है।

उसे लगता है कि इससे अर्थव्यवस्था मंदी में फंस सकती है। हालांकि, अधिकारियों का कहना है कि पोलैंड की तरह जर्मनी भी इस साल के अंत तक रूस से तेल आयात बंद कर सकता है। हंगरी भी रूस पर प्रतिबंध का विरोध कर रहा है।कई यूरोपीय देश अपनी छवि बचाने या संभावित कानूनी उलझनों से बचने के लिए स्वेच्छा से रूस से कच्चा तेल खरीदने से परहेज कर रहे हैं।

इन्होंने छोड़ा साथ

हेलेनिक पेट्रोलियम : ग्रीस का सबसे बड़ा तेल रिफाइनर अपनी खपत का करीब 15 फीसदी तेल रूस से आयात करता है।

आईएसएबी : इटली की सबसे बड़ी रिफाइनरी रूसी और गैर-रूसी तेल खरीदने की योजना बना रही है।

लूना : पूर्वी जर्मनी की कंपनी ड्रुजबा पाइपलाइन से कच्चा तेल खरीदती है।

मिरो : जर्मनी की सबसे बड़ी कंपनी खपत का 14ङ्क तेल आयात करती है।

एमओएल : क्रोएशिया, हंगरी और स्लोवाकिया में तीन रिफाइनरियों का संचालन करने वाली कंपनी ड्रुजबा पाइपलाइन से रूसी क्रूड खरीद रही है।

नायरा एनर्जी : रूस के रोसनेफ्ट के स्वामित्व वाली भारतीय निजी रिफाइनर ने एक साल के अंतराल के बाद 18 लाख बैरल यूराल खरीदा है।

पर्टामिना : इंडोनेशियाई की सरकारी कंपनी रूस से कच्चा तेल खरीदने पर विचार कर रही है।

पीकेएन ओरलेन : पोलैंड की रिफाइनरी पुराने अनुबंधों के तहत यूराल की खरीद कर रही है।

हंगरी : रूसी तेल और गैस पर प्रतिबंधों का विरोध करता है।

भारत और चीन अब भी कर रहे हैं रूस से आयात

इस बीच, भारत और चीन का रूस से आयात जारी है। रूसी कंपनियों पर पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के बाद छूट के चक्कर में भारत ने फरवरी अंत में कम-से-कम 1.3 करोड़ बैरल कच्चा तेल खरीदा है। 2021 में उसने 1.6 करोड़ बैरल तेल खरीदा था।

हिंदुस्तान पेट्रोलियम : भारतीय रिफाइनरी कंपनी ने मई डिलीवरी के लिए 20 लाख बैरल यूराल (कच्चा तेल) का अनुबंध किया है।

इंडियन ऑयल : 23 मार्च को शीर्ष घरेलू कंपनी ने मई डिलीवरी के लिए 30 लाख बैरल यूराल खरीदे। 24 फरवरी को यूक्रेन पर आक्रमण के बाद से यह दूसरी खरीद है।

बफर पूंजी की अभी जरूरत नहीं : आरबीआई

आरबीआई ने मंगलवार को कहा कि मौजूदा उतार-चढ़ाव से निपटने के लिए बनाई गई पूंजी व्यवस्था यानी 'बफर' पूंजी का अभी जरूरत नहीं है। इसलिए अभी इसका इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। केंद्रीय बैंक ने कहा कि प्रति चक्रीय बफर पूंजी (सीसीवाईबी) संकेतकों की समीक्षा और विश्लेषण के आधार पर यह निर्णय किया गया है। सीसीवाईबी व्यवस्था के तहत बैंकों के लिए जरूरी है कि वे अच्छे समय में पूंजी बफर बनाएं, जिसका उपयोग कठिन समय में हो।

महंगाई के बीच खाद्य तेल की खुदरा कीमतें न बढ़ाएं सदस्य : एसईए

खाद्य तेल उद्योग के प्रमुख संगठन साल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन (एसईए) ने उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए मंगलवार को अपने सदस्यों से अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) नहीं बढ़ाने की अपील की है। एसईए के अध्यक्ष अतुल चतुर्वेदी ने सदस्यों को लिखे पत्र में कहा कि देश खाद्य तेलों की ऊंची कीमतों से जूझ रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध से स्थिति और खराब हो गई है। आम जनता महंगाई से जूझ रही है। ऐसे में दाम बढ़ाने का फैसला उचित नहीं है।

इस साल क्या रहेगी भारत की विकास दर, एडीबी ने बताया

नई दिल्ली। एजेंसी

इस साल भारत की विकास दर 7.5 फीसदी रह सकती है। यह अनुमान एशियाई विकास बैंक (ADB) ने लगाया है। एडीबी ने बुधवार को वित्त वर्ष 2022-23 में दक्षिण एशियाई अर्थव्यवस्थाओं (South Asian Economies) के लिए सात प्रतिशत के सामूहिक विकास का अनुमान लगाया। इस क्षेत्र की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भारत ही है।

एशियाई विकास आउटलुक में दिया गया है अनुमान- मनीला स्थित 'मल्टी-लेटरल फंडिंग एजेंसी' एडीबी ने कहा है कि चालू वित्त वर्ष के दौरान भारत की विकास दर 7.5 फीसदी रहने की उम्मीद है। साथ ही इसके अगले वर्ष आठ फीसदी की दर से बढ़ने की उम्मीद है। 'एशियाई विकास आउटलुक' (ॅ्ऋ) 2022 को जारी करते हुए एजेंसी ने कहा कि वर्ष2023 में 7.4 प्रतिशत तक पहुंचने से पहले दक्षिण एशिया में विकास 2022 में धीमा होकर सात फीसदी तक रहने का अनुमान है। क्षेत्र में विकास की गतिशीलता काफी हद तक भारत और पाकिस्तान पर निर्भर करती है।

सामूहिक रूप से सात फीसदी- एजेंसी ने एडीओ रिपोर्ट में कहा, ''दक्षिण एशियाई अर्थव्यवस्थाओं के 2022 में सामूहिक रूप से सात फीसदी और 2023 में 7.4 फीसदी तक बढ़ने की उम्मीद है। क्षेत्र की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भारत के चालू वर्ष में 7.5 प्रतिशत और अगले वित्त वर्ष में आठ फीसदी की दर से बढ़ने की उम्मीद है।'' रिपोर्ट के मुताबिक, 2023 में 4.5 फीसदी तक बढ़ने से पहले कमजोर घरेलू मांग के कारण पाकिस्तान की वृद्धि 2022 में मध्यम से चार प्रतिशत तक रहने का अनुमान है। एडीबी ने कहा कि विकासशील एशिया की अर्थव्यवस्थाओं में घरेलू मांग में मजबूत सुधार और निर्यात में निरंतर विस्तार के कारण इस साल 5.2 प्रतिशत और 2023 में 5.3 प्रतिशत वृद्धि होने का अनुमान है।

स्टैंड-अप इंडिया योजना में छह साल में 30,160 करोड़ रुपये का कर्ज स्वीकृत

नयी दिल्ली। एजेंसी

वित्त मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि पिछले छह साल में स्टैंड-अप इंडिया अभियान के तहत 30,160 करोड़ रुपये से अधिक कर्ज मंजूर किये गये हैं। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और जमीनी स्तर पर महिला उद्यमियों को बढ़ावा देने के लिये पांच अप्रैल, 2016 को स्टैंड-अप इंडिया योजना की शुरुआत की गयी थी। योजना का मुख्य उद्देश्य आर्थिक सशक्तिकरण और रोजगार सृजन है। वित्त वर्ष 2019-20 में स्टैंड-अप इंडिया योजना को वर्ष 2025 तक बढ़ा दिया गया था। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''पिछले छह साल में स्टैंड-अप इंडिया के तहत 1,33,995 खातों में 30,160 करोड़ रुपये स्वीकृत किये गये हैं।'' वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने योजना के छह साल पूरे होने के मौके पर अपने संदेश में कहा, ''योजना के लक्ष्य के तहत विभिन्न सुविधाओं से वंचित उद्यमी वर्ग के अधिक-से-अधिक लाभार्थियों को शामिल किया जाता है। इस प्रकार हम आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि इस योजना के छह साल के दौरान एक लाख से अधिक महिला प्रवर्तकों को लाभ मिला है। सीतारमण ने कहा, ''सरकार आर्थिक वृद्धि को गति देने में इन उभरते उद्यमियों की क्षमता को समझती है। जो अपनी भूमिकाओं के माध्यम से न केवल धन का, बल्कि रोजगार के अवसरों का भी सृजन करते हैं।''

कर्नाटक में इस सीजन चीनी उत्पादन में वृद्धि

एजेंसी

महाराष्ट्र की तरह इस सीजन कर्नाटक में भी चीनी उत्पादन में वृद्धि देखने को मिल रही है। कर्नाटक में इस सीजन अब तक का सबसे अधिक चीनी उत्पादन कहा जा रहा है। इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन , कर्नाटक में 31 मार्च, 2022 तक 72 चीनी मिलों ने 57.65 लाख टन चीनी का उत्पादन किया है। महाराष्ट्र की तरह ही कर्नाटक में अब तक का सबसे अधिक चीनी उत्पादन है। राज्य में 72 चीनी मिलों में से 51 मिलों ने अपना परिचालन बंद कर दिया है और 21 मिलें अभी भी चल रही हैं। पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान 66 चीनी मिलों ने 42.38 लाख टन चीनी का उत्पादन किया था। पिछले साल 31 मार्च 2021 तक 66 चीनी मिलों में से, 65 ने अपना परिचालन समाप्त कर दिया था और केवल 1 मिल चालू थी।

भारत, ऑस्ट्रेलिया 2030 तक 100 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार करने के प्रयास करें : गोयल

मेलबर्न। एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया को 2030 तक द्विपक्षीय कारोबार बढ़ाकर 100 अरब डॉलर का करने के लिए प्रयास करने चाहिए। अभी दोनों देशों के बीच 27.5 डॉलर का द्विपक्षीय कारोबार होता है। ऑस्ट्रेलिया के तीन दिवसीय दौरे पर पहुंचे गोयल ने कहा कि दोनों देश शिक्षा क्षेत्र में और अधिक सहयोग के लिए समझौता करने की दिशा में बढ़ रहे हैं।

इससे पहले, भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच दो अप्रैल को आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौता (ईसीटीए) पर हस्ताक्षर हुए थे। गोयल ने बुधवार को कहा, ''मेरा सुझाव है कि हमारे प्रतिनिधियों को विचार करना चाहिए कि इस संबंध को क्षेत्रवार तरीके से किस तरह बढ़ाया जा सकता है। हमें और महत्वाकांक्षी होना चाहिए और 2030 तक द्विपक्षीय कारोबार बढ़ाकर 100 अरब डॉलर तक करने के प्रयास करने चाहिए।''

उद्योग मंत्री ने कहा कि दोनों देश शिक्षा, अनुसंधान, स्टार्टअप और कृषि प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ा सकते हैं। उन्होंने अवसंरचना जैसे क्षेत्रों में ऑस्ट्रेलिया से निवेश आकर्षित करने पर जोर देते हुए कहा, ''हमारे पास बड़ा बाजार है और लोग बेहतर गुणवत्ता का जीवन चाहते हैं जो भारत और दुनियाभर के लोगों को एक बड़ा अवसर है।'' उन्होंने हवाई और पोत कनेक्टिविटी को मजबूत करने पर भी जोर दिया। इस अवसर पर ऑस्ट्रेलिया के व्यापार, पर्यटन एवं निवेश मंत्री डैन टेहन ने कहा कि यह एक व्यापक व्यापार समझौता है।

व्यापार समझौते से रत्न-आभूषण एवं अन्य उत्पादों का द्विपक्षीय व्यापार बढ़ेगा: निर्यातक

नयी दिल्ली। एजेंसी

निर्यातकों के शीर्ष संगठन ने उम्मीद जताई है कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच शनिवार को संपन्न हुए व्यापार समझौते से दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय वाणिज्य और निवेश को बढ़ावा मिलेगा। भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) के मुताबिक भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच हुए आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौते (ईसीटीए) से परिधान, कपड़ा, चमड़ा, जूते, रत्न, आभूषण, इंजीनियरिंग उत्पाद और दवा उद्योग के अलावा सेवा क्षेत्र को भी लाभ पहुंचेगा। फियो के अध्यक्ष ए शक्तिवेल ने एक बयान में कहा कि भारत के लिए ऑस्ट्रेलिया शीर्ष 15 निर्यात गंतव्यों में से एक है।

रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) के चेयरमैन कोलिन शाह ने कहा कि दुबई के साथ व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) के बाद भारत ने ऑस्ट्रेलिया में भी प्राथमिकता के आधार पर पहुंच हासिल कर ली है। उन्होंने कहा कि अभी भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच रत्नों एवं आभूषणों का द्विपक्षीय व्यापार 95 करोड़ डॉलर का है। ऑस्ट्रेलिया को निर्यात किए जाने वाले मुख्य जिंसों में सोने के आभूषण (साधारण और जड़ित) और पॉलिश किए हुए हीरे हैं। वहां से आयात होने वाले प्रमुख जिंसों में सोने और चांदी की ईंटें शामिल हैं। शाह ने कहा, ''हम उम्मीद करते हैं कि ऑस्ट्रेलिया को उन क्षेत्रों तक पहुंच का लाभ मिलेगा जहां भारत विश्व में अगुआ है मसलन हीरों का क्षेत्र। भारत के रत्न एवं आभूषण निर्यात को प्राथमिक पहुंच देना ऑस्ट्रेलिया के खुदरा व्यापारियों के लिए भी किफायती सौदा होगा।'' उन्होंने उम्मीद जताई कि इस समझौते से रत्नों एवं आभूषण का द्विपक्षीय व्यापार बढ़कर 1.5 अरब डॉलर का हो जाएगा।

Covid 4th Wave: चौथी लहर के खतरे के बीच यही वक्त है बूस्टर डोज

एक्सपर्ट्स की राय गंभीर स्थिति से होगा बचाव

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

विदेशों में बढ़ते कोविड के मामलों के बीच भारत में अगली लहर के खतरे को अनदेखा नहीं किया जा सकता। क्या अब सभी को बूस्टर डोज देने का वक्त आ गया है, इस पर डॉक्टर्स का कहना है कि बूस्टर डोज काफी हद तक कोरोना वायरस से बचाव कर सकती है, बशर्ते वायरस का नया वैरिएंट बिल्कुल अलग ना हो। देश में कोविड की तीसरी लहर काफी धीमी पड़ गई है मगर कई देशों में फिर से कोविड के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। डॉक्टर्स का कहना है कि खतरा टला नहीं है, कोविड वैक्सीन की दोनों डोज का असर लगभग 6 से 9 महीने में खत्म हो रहा है, ऐसे में अब सभी को बूस्टर डोज की जरूरत है। अभी तक देश में 60 साल और इससे ऊपर और हेल्थकेयर वर्कर्स को ही बूस्टर डोज दी जा रही है।

एम्स दिल्ली में पल्मोनरी मेडिसिन डिपार्टमेंट में असोसिएट प्रोफेसर डॉ. विजय हड्डा कहते हैं कि बूस्टर डोज सभी को देनी चाहिए क्योंकि कई ट्रायल्स में इसका प्रभाव देखा गया है। वैक्सीन लेने के 9 महीने के बाद शरीर में एंटीबॉडी काफी कम हो जाती हैं यानी वायरस से लड़ने की क्षमता खत्म हो जाती है, इसलिए बूस्टर डोज लगनी चाहिए। यह उन्हें खासतौर पर दी जानी चाहिए जिन्हें पहले से बीमारियां हैं। मगर बच्चों के लिए हमें इंतजार करना चाहिए क्योंकि उनमें प्रभाव बड़ों के मुकाबले कम देखा गया है। उन पर अभी भी ट्रायल्स चल रहे हैं, अभी हमें यह भी साफ नहीं पता कि उनमें वैक्सीन कितनी कारगर है।

डॉ. हड्डा ने कहा कि दूसरा पहलू यह भी है कि अगर अगली लहर में नया म्यूटेंट आता है, यानी वायरस चेहरा बदलता है, तब बूस्टर डोज प्रभावी लोगा या नहीं यह कहना अभी मुश्किल है। आरएनए वायरस अस्थिर होते हैं, वे आपकी इम्यूनिटी से लड़कर खुद को बदलता है ताकि आगे लड़ सके। डेल्टा और ओमिक्रॉन में भी 30इ का अंतर था। मगर इसके बावजूद बूस्टर डोज कुछ हद तक बचाव कर सकती है। इसके अलावा हम वर्तमान वैरिएंट के लंबे वक्त तक बने रहने और नए वैरियंट के ना आने की संभावना से भी इनकार नहीं कर सकते हैं। अभी पुराने वाले म्यूटेंट चल रहे हैं और डब्ल्यूएचओ ने जिस 'वैरियंट ऑफ कंसर्न' की बात की है, उस पर भी नजर रखी जा रही है।

'नया म्यूटेंट आया, तब भी गंभीर स्थिति से बचाएगा बूस्टर'

वेंकटेश्वर हॉस्पिटल के सीनियर कंसल्टेंट, इंटरनल मेडिसिन के डॉक्टर आशीष खट्टर कहते हैं, बूस्टर डोज का काफी फायदा होगा, बशर्ते म्यूटेशन बड़ा ना हो। जो लोग डेल्टा वायरस से संक्रमित हुए थे, वे तब भी हुए जब ओमिक्रॉन आया था मगर वैक्सीनेशन की वजह से यह ज्यादा गंभीर नहीं था। कुछ ऐसे भी थे, जिनमें लक्षण डेल्टा वैरिएंट जैसे ही थे। ऐसे 10इ को हॉस्पिटल एडमिट करना पड़ा था और इनमें से 2इ को लंग्स इंफेक्शन की वजह से आईसीयू में भी रखना पड़ा। मगर ये वो थे जिनमें वैक्सीन का असर खत्म हो चुका था या वैक्सीन लगी ही नहीं थी। इसे देखते हुए बूस्टर डोज काम आएगी। यह फेज वाइज सभी लोगों को लगनी चाहिए। एंटीबॉडी 3 से 9 महीने के बीच खत्म हो रही है। हमें यह भी देखना चाहिए कि अगर दूसरा वैरिएंट आया, तो नई वैक्सीन भी आएगी। वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टिट्यूट के रेस्पिरेटरी वायरोलॉजी डिपार्टमेंट की हेड प्रोफेसर मधु खन्ना बताती हैं, बूस्टर डोज इस वक्त सभी के लिए बहुत जरूरी है। कोविड की अगली लहर यूके, चीन किसी भी देश से आ सकती है। जून में भारत में भी आशंका जताई जा रही है। वायरस नया रूप लेगा, तब भी बूस्टर डोज से यह फायदा जरूर होगा कि बीमारी ज्यादा गंभीर नहीं होगी। हॉस्पिटल भर्ती के मामले भी कम होंगे।

अदाणी फाउंडेशन को राष्ट्रीय जल पुरस्कार

जल संरक्षण में सीएसआर के लिए किया गया सम्मानित

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

अदाणी फाउंडेशन ने प्लेनरी हॉल, विज्ञान भवन, नई दिल्ली में सीएसआर गतिविधियों के लिए सर्वश्रेष्ठ उद्योग की श्रेणी में जल शक्ति मंत्रालय से तीसरा राष्ट्रीय जल पुरस्कार प्राप्त किया है। यह पुरस्कार समारोह राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद, जल शक्ति और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री, श्री गजेंद्र सिंह शेखावत और जल शक्ति व जनजातीय मामलों के राज्य मंत्री, श्री बिश्वेसर टुडू की उपस्थिति में आयोजित किया गया। फाउंडेशन ने जल संरक्षण और प्रबंधन में काफी काम किया है। कच्छ के मुंद्रा के 62 गांवों में, फाउंडेशन द्वारा अपनी परियोजना 'स्वजल' के तहत 115 यूनिट रूफटॉप रेनवाटर हार्वेस्टिंग (आरआरडब्ल्यूएच) संरचनाएं स्थापित की गई हैं। जबकि 31 कुओं और 189 बोरवेलों को रिचार्ज, 56 तालाबों को गहरा तथा 21 चेक डैम्स और बांधों का निर्माण किया है, और 1,505 ड्रिप सिंचाई प्रणाली की स्थापना की गई है।

अध्यक्ष डॉ प्रीति अदाणी के नेतृत्व में, अदाणी फाउंडेशन ने 2,18,500 पुरुषों, महिलाओं, बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों को प्रभावित करते हुए पानी के संरक्षण और प्रबंधन के लिए व्यापक कार्य किया है। फाउंडेशन द्वारा किए गए ठोस कार्य के परिणामस्वरूप भूजल में कुल घुलित ठोस (टीडीएस) में 19.6इ की कमी आई है, पिछले पांच वर्षों में भूजल तालिका में 4.2 फीट की वृद्धि हुई है, बोरवेल रिचार्जिंग सुविधाओं से जल स्तर 15-20 फीट बढ़ा है और तालाबों व बांधों की भंडारण क्षमता 106.44 एमसीएफटी बढ़ी है, जिससे 2,857 हेक्टेयर को लाभान्वित होने का मौका मिला है।

फाउंडेशन के बीच में आने से परिवारों को 10,000 रुपये तक की बचत करने में मदद मिली है। श्रम पर खर्च किए गए धन में 80 फीसदी की कमी, शुद्ध सिंचित क्षेत्र में 20 प्रतिशत की वृद्धि, 'कृषि सहायता' में 40 फीसदी तक की वृद्धि और राजस्व में 20 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। पारंपरिक तरीकों की तुलना में अब 50 प्रतिशत कम पानी का उपयोग किया जाता है, जिससे हर साल 10,000 लीटर पानी की बचत होती है। यहां तक कि पीने योग्य पानी अब घर-घर पहुंच रहा है। पहले महिलाएं औसतन 1.3 किलोमीटर पैदल चलकर पानी लेने जाती थीं। पानी की उपलब्धता ने क्षेत्र में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा, सुविधा और समग्र कल्याण को भी सुनिश्चित किया है। इससे स्वास्थ्य सेवा पर खर्च में 25 फीसदी तक की कमी आई है। अदाणी फाउंडेशन द्वारा जारी इस पहल और प्रयास के माध्यम से समुदाय के लिए उनकी बेहतर खेती और जीवनयापन में आसानी के लिए स्थायी समाधान प्रदान करने में मदद मिल रही है।

शुगर टैक्स स्थगित करने से हजारों नौकरियां बचेगी: दक्षिण अफ्रीकी केनग्रोवर्स एसोसिएशन

केपटाउन। एजेंसी

वित्त मंत्री हनोक गोडोंगवाना ने शुगर टैक्स के वृद्धि 12 महीने के लिए स्थगित करने का ऐलान किया है। दक्षिण अफ्रीकी केनग्रोवर्स एसोसिएशन ने वित्त मंत्री के इस फैसले का स्वागत किया है। एसए कैनग्रोवर्स एसोसिएशन के सीईओ थॉमस फनके ने कहा की, शुगर टैक्स लागू करने के बाद हम चीनी उद्योग में नौकरियों में गिरावट देखेंगे। उन्होंने कहा, शुगर टैक्स को एक साल के लिए स्थगित कर देने से आगे जाकर सरकार चीनी उद्योग की नौकरियों को बनाए रखने वाले विकल्पों के साथ आने की उम्मीद है। थॉमस फनके ने कहा की, देशभर में हमारे पास लगभग 20 मिलियन टन गन्ना होता है, जो हर साल श्रमिकों द्वारा हाथ से काटा जाता है। देश में यांत्रिक कटाई अभी बहुत महंगी है और हमारी स्थलाकृति यांत्रिक कटाई के लिए अनुकूल नहीं है। फ़नके ने कहा कि, कई मौसमी कर्मचारी गन्ने की कटाई में मदद करते हैं।शुगर टैक्स वृद्धि ने गन्ना किसानों की चुनौतियों को और बढ़ा दिया होता, जो पहले से ही विशेष रूप से डीजल ईंधन और उर्वरकों की बढ़ती लागत का सामना कर रहे हैं।

जेट ईंधन की कीमतों में 2% की बढ़ोतरी, अब तक के उच्चतम स्तर पर; 2022 में 7वीं वृद्धि: विवरण

नई दिल्ली। एजेंसी

नए वित्तीय वर्ष 2022-23 की शुरुआत के साथ, बढ़ती वैश्विक ऊर्जा कीमतों के साथ, इस साल शुक्रवार को सातवीं बार जेट ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी की गई है। राज्य के स्वामित्व वाले ईंधन खुदरा विक्रेताओं द्वारा मूल्य अधिसूचना के अनुसार, जेट ईंधन या विमानन टरबाइन ईंधन (ATF) की कीमत में 2% या 2,258.54 रुपये / किलो लीटर की वृद्धि की गई है और अब दिल्ली में इसकी कीमत 1,12,924.83 रुपये प्रति लीटर है, जो अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। पेट्रोल और डीजल की दरों के विपरीत, जिन्हें दैनिक आधार पर संशोधित किया जाता है, एटीएफ की कीमतों को महीने में दो बार, 1 और 16 वें दिन संशोधित किया जाता है, जो पिछले पखवाड़े में अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क की औसत कीमत पर निर्भर करता है। पिछली ATF दर वृद्धि 16 मार्च, 2022 को की गई थी, जो 18.3 प्रतिशत की वृद्धि थी, जिसे अब तक की सबसे तेज वृद्धि के रूप में चिह्नित किया गया था, जिसके कारण एटीएफ ने पहली बार एक बहु-वर्षीय उच्च अंतरराष्ट्रीय स्तर के बाद 1 लाख रुपये/केएल के निशान को पार किया। तेल की कीमतों में उछाल। इस साल 1 जनवरी से हर पखवाड़े ATF की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। कुल मिलाकर, जेट ईंधन 38,902.92 kL महंगा हो गया है या 2022 में अब तक 50% उछल गया है।

News यू केन USE

म्यामां ने बैंकों में रखी विदेशी मुद्रा को 'क्यात' में बदलने का आदेश दिया

बैंकॉक। एजेंसी

म्यामां के केंद्रीय बैंक ने देश के सभी बैंक खातों में मौजूद विदेशी मुद्रा को घरेलू मुद्रा 'क्यात' में बदलने का आदेश दिया है। सेना के शासन वाले देश के इस निर्णय से कई लोगों को भारी नुकसान का अंदेशा है। केंद्रीय बैंक ने रविवार को व्यवसायों और व्यक्तियों को जारी नोटिस में कहा कि सोमवार तक सभी डॉलर और अन्य विदेशी मुद्रा को हर हालत में क्यात में बदलना होगा नहीं तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जायेगी। इसके अलावा नोटिस में कहा गया कि विदेशी मुद्रा को केवल सरकार की अनुमति के बाद ही विदेश भेजा जा सकता है।

सेबी ने डिजिटल फॉरेंसिक एजेंसी के चयन के लिए मंगाए आवेदन

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) तलाशी एवं जब्ती अभियानों के दौरान घटनास्थल से डेटा जुटाने में मदद के लिए एक एजेंसी को नियुक्त करने की तैयारी में है। इसके लिए सेबी ने मोबाइल, कंप्यूटर एवं टैबलेट जैसे उपकरणों से डिजिटल सबूतों को जब्त करने, उन्हें फिर से निकालने और उनका विश्लेषण करने के लिए अनुभवी डिजिटल फोरेंसिक एजेंसियों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। बाजार नियामक ने यह कदम कई संस्थाओं द्वारा टेलीग्राम ऐप का इस्तेमाल कर कथित रूप से धोखाधड़ी किए जाने की शिकायतों को देखते हुए उठाया है। सेबी ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि डेटा फॉरेंसिक एजेंसी को तलाशी एवं जब्ती के दौरान तलाशी लेने गई टीम और घटनास्थल से डेटा जब्त करने में सहायता देनी होगी। इसके अलावा इस एजेंसी को कई तरह के डिजिटल उपकरणों जैसे लैपटॉप, मोबाइल फोन, स्मार्टफोन, टैबलेट, हार्ड ड्राइव, यूएसबी ड्राइव, सीडी/डीवीडी, सर्वर आदि को फॉरेंसिक इस्तेमाल के लिए जब्त भी करना होगा। नियामक के अनुसार इच्छुक फॉरेंसिक एजेंसियां 26 अप्रैल तक आवेदन कर सकती है।

मार्च में भारत की विनिर्माण गतिविधियां धीमी हुईं; उत्पादन, बिक्री पर भी असर

नयी दिल्ली। एजेंसी

भारत की विनिर्माण गतिविधियों में मार्च 2021 में नरमी देखने को मिली, और इस दौरान मुद्रास्फीति की चिंताओं के चलते कारोबारियों का भरोसा कम होने से कंपनियों के नए ऑर्डर और उत्पादन की रफ्तार कम हुई। एक मासिक सर्वेक्षण में सोमवार को यह बात कही गई। मौसमी रूप से समायोजित एसएंडपी ग्लोबल इंडिया विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) मार्च में 54.0 पर था, जो फरवरी में 54.9 पर था। मार्च के आंकड़े उत्पादन और बिक्री में सितंबर 2021 के बाद से सबसे कमजोर वृद्धि को दर्शाते हैं। हालांकि, लगातार नौ महीनों से कुल परिचालन दशाओं में सुधार का रुख जारी है। पीएमआई की भाषा में 50 से अधिक अंक का अर्थ विस्तार होता है, जबकि 50 से नीचे का अंक संकुचन को दर्शाता है। एसएंडपी ग्लोबल की अर्थशास्त्री पॉलियाना डी लीमा ने कहा कि कि वित्त वर्ष 2021-22 के अंत में भारत में विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि कमजोर हुई है और कंपनियों ने नए ऑर्डर तथा उत्पादन में नरमी की बात कही है। इस दौरान रासायन, ऊर्जा, कपड़ा, खाद्य पदार्थ और धातु जैसे क्षेत्रों में कच्चे माल की लागत बढ़ी।

श्रीलंका का आर्थिक संकट भारतीय चाय निर्यातकों के लिए बन सकता है अवसर : विशेषज्ञ

कोलकाता। एजेंसी

वैश्विक चाय बाजार के प्रमुख कारोबारी देश श्रीलंका में बढ़ते आर्थिक संकट के बीच भारतीय चाय निर्यातकों को नये अवसर मिल सकते हैं क्योंकि श्रीलंका में इस साल चाय उत्पादन और निर्यात में भारी गिरावट देखने को मिल सकती है। चाय उद्योग से जुड़े विशेषज्ञों ने सोमवार को यह संभावना जताई। रेटिंग एजेंसी इक्रा लिमिटेड के उपाध्यक्ष कौशिक दास ने कहा कि श्रीलंका सालाना लगभग 30 करोड़ किलोग्राम चाय का उत्पादन करता है और मुख्य रूप से यह देश एक पारंपरिक चाय उत्पादक है। श्रीलंका अपने वार्षिक चाय उत्पादन का लगभग 97-98 प्रतिशत हिस्सा निर्यात करता है। उन्होंने कहा कि पारंपरिक चाय के वैश्विक व्यापार में श्रीलंका की हिस्सेदारी लगभग 50 प्रतिशत है और इसका ज्यादातर निर्यात इराक, ईरान एवं संयुक्त अरब अमीरात जैसे पश्चिम एशियाई देशों तथा रूस एवं तुर्की के साथ लीबिया जैसे उत्तरी अफ्रीकी गंतव्यों को किया जाता है। दास ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''श्रीलंका के चाय उत्पादन में अगर उल्लेखनीय गिरावट आती है तो इसका वैश्विक बाजार पर असर पड़ेगा और भारतीय चाय निर्यातकों को इस कमी को पूरा करने का अवसर भी मिलेगा।'' दास ने कहा, ''भारत लगभग 11 करोड़ किलोग्राम पारंपरिक चाय का उत्पादन करता है और उसमें से 90 प्रतिशत निर्यात किया जाता है।'

हाल ही में श्रीलंका के दौरे से लौटे दक्षिण भारत चाय निर्यातक संघ के अध्यक्ष दीपक शाह ने कहा कि श्रीलंका में बढ़ते आर्थिक संकट के साथ चाय कारखाने अपना परिचालन जारी रखने के लिए जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा परिदृश्य 'भारतीय निर्यातकों के लिए बहुत बेहतर दिन' मुहैया करा सकता है, खासकर अगर रूस के साथ व्यापार में सुधार होने के साथ रुपये-रूबल भुगतान व्यवस्था भी हो जाती है। भारतीय चाय निर्यातक संघ के अध्यक्ष अंशुमान कनोरिया के मुताबिक, चाय उद्योग को उम्मीद है कि श्रीलंका की खराब आर्थिक स्थिति के कारण इस साल चाय की पैदावार में लगभग 15 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है। पारंपरिक चाय के वैश्विक बाजार परिदृश्य के बारे में बताते हुए कनोरिया ने कहा कि श्रीलंका के अलावा इस किस्म के चाय के अन्य प्रमुख उत्पादक देश चीन, वियतनाम और इंडोनेशिया हैं। चीन शायद ही पारंपरिक किस्म का निर्यात करता है क्योंकि वह खुद बहुत अधिक मात्रा में इसकी खपत करता है।

COVID के प्रकोप के कारण चीन के कारखाने की गतिविधि दो साल के निचले स्तर पर

शंघाई। एजेंसी

मार्च 2022 में चीनी कारखाने की गतिविधि दो साल में सबसे तेज गति से गिर गई। नवीनतम ण्ध्ब्ध्ऊ-19 प्रकोप और 24 फरवरी को यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के आर्थिक प्रभाव के कारण उत्पादन और मांग में तेजी से गिरावट आई। ग्रिंग्ह मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (PMI) 48.1 था, जो फरवरी 2020 के बाद से संकुचन की सबसे तेज दर है। एक वेबसाइट द्वारा तैयार किए गए पूर्वानुमानों ने 50 के आंकड़े की भविष्यवाणी की, जबकि पिछले महीने की रीडिंग 50.4 थी। 50-पॉइंट इंडेक्स मार्क ग्रोथ को संकुचन से अलग करता है। एक दिन पहले के राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो के आंकड़ों ने दिखाया कि विनिर्माण इश्ध 49.5 था और गैर-विनिर्माण इश्ध 48.4 था।

कैपिटल इकोनॉमिक्स चीन की अर्थशास्त्री शीना यू ने रॉयटर्स को बताया, 'दो पीएमआई का औसत अब 50 से कम है, और 2020 में शुरुआती महामारी के अलावा, अब फरवरी 2016 के बाद से सबसे कम है।' 'सर्वेक्षित फर्मों की संरचना को देखते हुए, कैक्सिन रीडिंग में तेज कमी से पता चलता है कि गिरावट छोटी निजी फर्मों और निर्यातकों के बीच अधिक महत्वपूर्ण थी।' मार्च में तेज हुए नए निर्यात ऑर्डर में गिरावट के साथ घरेलू और विदेशी मांग भी

काफी कमजोर हुई है। सर्वेक्षण की गई कंपनियों ने कहा कि चीन में नवीनतम ण्ध्ब्ध्ऊ-19 का प्रकोप, शिपिंग क्षेत्र में व्यवधान और यूक्रेन संकट से अधिक बाजार अनिश्चितताओं के कारण ग्राहकों को ऑर्डर रद्द या निलंबित करना पड़ा। कई कारखानों ने उच्च कीमतों के लिए तंग वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को भी दोषी ठहराया, और यूक्रेन में युद्ध ने भी इनपुट लागत मुद्रास्फीति को पांच महीने के उच्च स्तर पर पहुंचाने में योगदान दिया। शंघाई और शेनझेन जैसे शहरों में COVID-19 का प्रकोप, और आगामी लॉकडाउन, अर्थव्यवस्था में तेज मंदी के जोखिम को बढ़ाते हैं। राज्य परिषद ने पहले ही अर्थव्यवस्था को स्थिर करने के लिए नीतियों को लागू करने का वादा किया है, यह बुधवार को एक बैठक में कहा। कैक्सिन इनसाइट ग्रुप के वरिष्ठ अर्थशास्त्री वांग झे ने डेटा रिलीज के साथ एक बयान में कहा, 'रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध की संभावना अनिश्चित है, और जिंस बाजार आहत है।'

'कई तरह के कारक प्रतिध्वनित होते हैं, चीन की अर्थव्यवस्था पर नीचे के दबाव को बढ़ाते हैं और गतिरोध के जोखिम को रेखांकित करते हैं।' वांग ने कमजोर समूहों और छोटे व्यवसायों के लिए और अधिक मदद का आह्वान किया, यह देखते हुए कि सरकार को सामान्य उत्पादन और सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा को बनाए रखने के बीच संतुलन बनाना चाहिए। सर्वेक्षण में एकमात्र उज्ज्वल स्थान रोजगार सूचकांक था, जो आठ महीनों में पहली बार विस्तारित हुआ। ण्ध्ब्ध्ऊ-19 के कारण सरकार द्वारा चंद्र नव वर्ष की यात्रा को हतोत्साहित करने वाली फैक्ट्रियों ने उत्पादन में तेजी लाई।

स्मॉलकेस 50 लाख यूजर्स के साथ तेजी से बढ़ते इन्वेस्टमेंट प्लेटफार्म बना

गैर-मेट्रो शहरों के लगभग 75% स्मॉलकेस यूजर्स

बेंगलुरु। आईपीटी नेटवर्क

स्मॉलकेस, भारत का एक अग्रणी डायरेक्ट इंडेक्सिंग और मॉडल पोर्टफोलियो प्लेटफॉर्म, जो रीटेल इन्वेस्टर तक पहुँच बनाता है, ने आज घोषणा की कि इस प्लेटफॉर्म पर 50 लाख यूजर्स से ज्यादा की बढ़ोतरी देखने को मिली है साथ ही पिछले साल की अपेक्षाकृत इस साल ट्रांजेक्शन में 350% का इजाफ़ा भी हुआ है। गैर-मेट्रो यूजर प्लेटफॉर्म के लिए ग्रोथ का एक मुख्य कारण रहे हैं, जिसमें लगभग 75% छोटे यूजर छोटे शहरों से आते हैं, जो देश भर के इक्विटी इन्वेस्टर्स की रुचि को दर्शाते हैं। स्मॉलकेस 350 से भी ज्यादा बिजनेस में इंडस्ट्री बिल्डिंग टेक्नोलॉजी और डिजिटल प्लेटफॉर्म प्रदान कर लोगों को स्मॉलकेस नामक सरल और पारदर्शी प्रोडक्ट्स में इन्वेस्ट करने में मदद करता है। स्मॉलकेस स्टॉक और ईटीएफ के मॉडल पोर्टफोलियो हैं जो एक विशिष्ट थीम, स्ट्रैटिजी या ऑब्जेक्टिव के अनुसार प्रोफेशनल रूप से व्यवस्थित और समझदारी से प्रभावित होते हैं। 200 से अधिक लाइसेंस प्राप्त रिसर्च और अड्वाइज़री फर्म से निर्मित विभिन्न प्रकार के स्मॉलकेस की पहुँच में ऐसेट एलोकेशन, फैक्टर बेस्ड, थीमैटिक, सेक्टोराल, विशेष परिस्थितियों और अन्य शामिल है। कुछ सबसे लोकप्रिय स्मॉलकेस में ऑल वेदर इन्वेस्टिंग (4 ईटीएफ की एक बास्केट जो इक्विटी, गोल्ड और निश्चित आय के रूप में विविधीकरण प्रदान करती है), शीर्ष 100 स्टॉक, डिविडेंड एरिस्टोक्रेट्स, राइजिंग रूरल डिमांड, स्पेशलिटी केमिकल्स, मोमेंटम स्ट्रैटेजिस शामिल हैं। स्मॉलकेस के फाउन्डर और सीईओ वसंत कामथ ने कहा, 'भारत बचतकर्ताओं के देश से इन्वेस्टर का देश बनने जा रहा है और पिछले कुछ वर्षों में इक्विटी में रीटेल इन्वेस्टर की भागीदारी तेजी से बढ़ी है। हमने भारतीयों के इन्वेस्टमेंट को सरल, पारदर्शी और पर्सनल बनाकर मौलिक रूप से बदलने के इरादे के साथ स्मॉलकेस लॉन्च किया। जेरोधा, अपस्टॉक्स, एचडीएफसी सिक्योरिटीज, कोटक सिक्योरिटीज, एक्सिसडायरेक्ट, ग्रो सहित 14 प्रमुख ब्रोकरेज अपने प्लेटफॉर्म पर स्मॉलकेस को एक मुख्य ऑफरिंग की तरह पेश करते हैं। इनमें से किसी भी ब्रोकरेज के साथ ट्रेडिंग और डीमैट खाते वाला इन्वेस्टर एक विविध, दीर्घकालिक पोर्टफोलियो बनाने के लिए कुछ ही क्लिक में स्मॉलकेस में इन्वेस्ट करना शुरू कर सकता है।

अमेरिका का डबल गेम, भारत को रोककर खुद भारी मात्रा में खरीद रहा रूसी तेल, बाइडेन का दोमुंहा रवैया?

वॉशिंगटन/नई दिल्ली। रूस से तेल व्यापार भारत फौरन बंद करे, अमेरिका की तरफ से लगातार और बार बार भारत को ये धमकी दी जा रही है और अमेरिकी अधिकारी हर दिन कच्चे तेल के आयात को लेकर भारत को धमकी दे रहे हैं। एक दिन पहले भी व्हाइट हाउस ने कहा है कि, रूस से तेल खरीदना भारत के हित के लिए सही नहीं है, लेकिन रूस ने कहा है कि, पिछले एक हफ्ते में अमेरिका ने उससे तेल आयात में 43३ की वृद्धि कर दी है। ऐसे मे सवाल ये है, कि अमेरिका का ये दोमुंहा रवैया नहीं है?

अमेरिका का दोमुंहा रवैया

आपको याद होगा, अमेरिकी प्रतिबंधों की वजह से ही भारत ने अपने खास दोस्त ईरान से कच्चे तेल का आयात बंद किया था और अमेरिका की वजह से ही भारत और ईरान की दोस्ती में दरार आई थी और अमेरिका की वजह से ही आज भारत, यूक्रेन जंग में कठिन डिप्लोमेटिक परिस्थितियों में फंसा हुआ है। लेकिन, रूस के एक अधिकारी ने कहा है कि, यूक्रेन संकट के बीच अमेरिका काफी तेजी से अपने तेल के भंडार को बढ़ा रहा है, जबकि वो दुनिया के बाकी देशों को रूस से तेल खरीददारी बंद करने के लिए प्रेशर बना रहा है।

रूस ने लगाया बड़ा आरोप रूसी सुरक्षा परिषद की उप सचिव मिखाइल पोपोव ने रविवार को एक नियमित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इसका खुलासा किया है, कि पिछले एक हफ्ते में अमेरिका ने रूस से कच्चे तेल का आयात 43 प्रतिशत बढ़ा दिया है। जिसका मतलब ये हुआ, कि पिछले एक हफ्ते से अमेरिका ने रूस से हर दिन सौ हजार बैरल कच्चा तेल खरीदना शुरू कर दिया है, जबकि दूसरी तरफ अमेरिका और अमेरिका के रूसी सहयोगी, खासकर ब्रिटेन... भारत पर प्रेशर बना रहे हैं, कि भारत रूस से कच्चे तेल का आयात फौरन बंद कर दे। अमेरिका और ब्रिटेन की हिप्पोक्रेसी की हद ये है, कि ब्रिटेन ने खुद भी रूस से ना ही तेल खरीदना बंद किया है और ना ही... तेल खरीदने को लेकर ट्रांजैक्शन पर ही कोई प्रतिबंध लगाए हैं।

अमेरिका का आश्चर्यजनक फैसला चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स की रिपोर्ट में रूसी अधिकारी ने कहा है कि, यूरोपीय देशों को अमेरिका के इसी तरह से आश्चर्यजनक व्यवहार के लिए तैयार रहना चाहिए। इतना ही नहीं, रूसी अधिकारी ने कहा है कि, अमेरिका ने ना सिर्फ कच्चे तेल का आयात पिछले एक हफ्ते में 43३ बढ़ा दिया है, बल्कि अमेरिकी सरकार ने अपनी कंपनियों को आदेश दिए हैं, कि वो रूस से खनिज उर्वरक भी भारी मात्रा में खरीदें। रूसी अधिकारी ने चौंकाने वाला दावा करते हुए कहा कि, अमेरिका ने खनिज उर्वरक को जरूरी वस्तु के तौर पर मान्यता दे दी है। जबकि, दनिया के कई देश रूसी कच्चे तेल और गैस पर निर्भर हैं, ये

जानते हुए भी अमेरिका और ब्रिटेन... उन देशों पर फौरन रूसी तेल खरीदने पर प्रतिबंध लगाने का प्रेशर बना रहे हैं।

अमेरिका देख रहा है अपना हित ग्लोबल टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, नॉर्मल यूनिवर्सिटी में सेंटर फॉर रशियन स्टटीज ऑफ ईस्ट चायना के सहायक रिसर्च फेलो कुई हेंग ने कहा कि, असल में अमेरिका दो नीतियों पर काम कर रहा है। अमेरिका की पहली नीति अपने हितों को सबसे आगे रखना और देखना है, और दूसरी नीति रूस का मुकाबला करने के लिए उदारवादी रूख अपनाना है। कुई हेंग ने कहा कि, अमेरिका ज्यादा से ज्यादा तेल खरीदकर अपना स्टॉक बढ़ा रहा है, ताकि आने वाले वक्त में अगर वो रूस पर पूर्ण प्रतिबंध लगाए, तो कुछ महीनों तक... जब तक की अमेरिका फिर से प्रतिबंध हटाए, उसे कोई फर्क नहीं पड़े, और दूसरी तरफ बाजार पर भी अमेरिका का नियंत्रण बना रहे।

सस्ती कीमत पर रूसी तेल रिसर्च फेलो कुई हेंग ने कहा कि, अमेरिका काफी कम कीमत पर रूस से तेल का आयात करता है और रूसी तेल खरीदना अमेरिका के लिए काफी सस्ता पड़ता है और फिर अमेरिका उस तेल को रिफाइंड कर ऊंची कीमत पर कई यूरोपीय देशों को बेच देता है, जिससे अमेरिका को भारी मुनाफा होता है और अमेरिका के घरेलू हितों की भी रक्षा होती है और यूरोप पर उसका नियंत्रण भी बना रहता है। उन्होंने कहा कि, अमेरिका के इस कदम से आखिरकार यूरोपीय देशों को ही भारी नुकसान होता है। उन्होंने समझाते हुए कहा कि, अमेरिकी तेल खरीदने से यूरोपीय देशों का पैसा अमेरिका जाता है और यूरो के मुकाबले डॉलर की मजबूती बनी रहती है।

सबसे बड़ा फायदा अमेरिका को विश्लेषकों का कहना है कि, अमेरिका ने काफी सोच-समझकर रूसी तेल आयात पर प्रतिबंधों का ऐलान किया है, क्योंकि इससे सबसे बड़ा फायदा अमेरिका को ही हो रहा है। विश्लेषकों का मानना है कि, अमेरिका यूरोपीय देशों पर भी रूसी तेल आयात बंद करने के लिए कह रहा है और ब्रिटेन ने इस साल के अंत तक रूसी तेल आयात करना बंद करने की बात कही है, जो काफी मुश्किल है, लेकिन अमेरिका अपने इस कदम से यूरोपीय देशों को बुरी तरह से फंसा रहा है, जबकि वो खुद रूस से कम कीमत पर ज्यादा तेल खरीद रहा है और फिर उसी तेल को अमेरिका ज्यादा कीमत पर यूरोप को बेच रहा है और यूरोपीय देश उस तेल को खरीदने के लिए मजबूर हैं।

भारत पर भी अमेरिकी दवाब सिर्फ यूरोप पर ही नहीं, बल्कि अमेरिका भारत पर भी लगातार रूस से तेल आयात रोकने की मांग कर रहा है, जबकि, भारत महज 1-2 प्रतिशत ही रूसी तेल का आयात करता है। एक दिन पहले व्हाइट हाउस ने कहा है कि, अभी तक भारत ने जो भी कच्चा तेल रूस से खरीदा है और उसका जो भी भुगतान किया है, वो अभी तक रूस पर लगाए गये अमेरिकी प्रतिबंधों का उल्लंघन नहीं है। वहीं, व्हाइट हाउस की तरफ से आगे कहा गया, कि नई दिल्ली, अपनी जरूरतों का जितना ऊर्जा आयात करता है, उसमें रूस सिर्फ एक प्रतिशत या दो प्रतिशत का ही प्रतिनिधित्व करता है। लेकिन, इसके आगे व्हाइट हाउस की तरफ से चेतावनी भरा लहजा इस्तेमाल किया गया।

'भारत के लिए अहितकारी फैसला' व्हाइट हाउस एक तरह से भारत को धमकी भरे लहजे में कहा गया है कि, रूस से ऊर्जा आयात को बढ़ाना भारत के हित में नहीं है और जो बाइडेन प्रशासन भारत की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए भारत के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने सोमवार को अपने प्रेस ब्रीफिग में संवाददाताओं से कहा कि, 'अभी, आप भी को एक दायरा बताने के लिए मैं बता रही हूं, कि भारत रूस से जो भी ऊर्जा आयात करता है, वो भारत के कुल ऊर्जा उत्पाद का सिर्फ एक या दो प्रतिशत के ही करीब है, लेकिन भारत के लिए रूसी तेल आयात करना उसके हित के लिए सही नहीं है।''

अमेरिका का डबल गेम इससे पहले भी पिछले महीने 16 मार्च को अमेरिका ने धमकी देने की कोशिश की थी और व्हाइट हाउस प्रवक्ता जेन साकी ने कहा था, '...यह भी सोचें कि जब इतिहास की किताबों में इस वक्त के बारे में लिखा जाएगा, तो आप कहां खड़ा होना चाहते हैं? रूसी नेतृत्व के लिए समर्थन एक आक्रमण के लिए समर्थन है, जो स्पष्ट रूप से विनाशकारी प्रभाव डाल रहा है''। आपको बता दें कि, भारत ने यूक्रेन पर रूसी आक्रमण का समर्थन नहीं किया है। नई दिल्ली ने लगातार सभी हितधारकों से बातचीत के जरिए मतभेदों को सुलझाने की अपील की है। हालांकि, इसने रूस के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र के सभी प्रस्तावों में वोटिंग में गैर-हाजिर रहने का विकल्प चुना।

क्या है 'बफर' पूंजी व्यवस्था, जिसका अभी इस्तेमाल नहीं करना चाहता RBI

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक ने कहा है कि उसने प्रति चक्रीय 'बफर' पूंजी (काउंटर साइक्लिकल कैपिटल बफर) का मौजूदा समय में उपयोग नहीं करने का निर्णय किया है क्योंकि इसकी अभी जरूरत नहीं है। प्रति चक्रीय बफर पूंजी वह कोष है जो एक बैंक, बिजनेस साइकिल संबंधित जोखिम से निपटने के लिए रखता है। इसे ऐसे भी समझ सकते हैं कि यह उतार-चढ़ाव से निपटने के लिए बनाई गई पूंजी व्यवस्था है। इसका उद्देश्य आर्थिक स्थिति में बदलाव से होने वाले नुकसान से बैंक क्षेत्र को संरक्षित करना है।

रिजर्व बैंक ने प्रति चक्रीय बफर पूंजी पर रूपरेखा को दिशानिर्देश के रूप में फरवरी 2015 में जारी किया था। इसमें सलाह दी गई थी कि जरूरत पड़ने पर इस पूंजी व्यवस्था का उपयोग किया जा सकता है और निर्णय की घोषणा सामान्य रूप से पहले की जाएगी। दिशानिर्देश में मुख्य संकेतक के रूप में जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) के अनुपात में ऋण

अंतर की परिकल्पना की गई है। इसका उपयोग अन्य पूरक संकेतकों के साथ किया जा सकता है।

सीसीवाईबी व्यवस्था के दो प्रमुख उद्देश्य

केंद्रीय बैंक ने एक बयान में कहा, ''प्रति चक्रीय बफर पूंजी (सीसीवाईबी) संकेतकों की समीक्षा और विश्लेषण के आधार पर, यह निर्णय किया गया है कि इस समय सीसीवाईबी व्यवस्था के उपयोग की जरूरत नहीं है।'' भारत में सीसीवाईबी ढांचे में कर्ज-जीडीपी अंतर मुख्य संकेतक होगा। केंद्रीय बैंक के अनुसार, सीसीवाईबी व्यवस्था के दो उद्देश्य हैं। पहला, इसके तहत बैंकों के लिए जरूरी है कि वे अच्छे समय में पूंजी का बफर बनाएं, जिसका उपयोग कठिन समय में संबंधित क्षेत्र में कर्ज प्रवाह बनाए रखने में किया जा सकता है।

दूसरा, यह बैंक क्षेत्र को अतिरिक्त कर्ज वृद्धि के समय जरूरत से अधिक ऋण देने पर अंकुश लगाकर मैक्रो इकनॉमिक सूझबूझ लक्ष्य को प्राप्त करता है। अत्यधिक कर्ज वृद्धि प्रायः प्रणालीगत जोखिम से संबंधित होती है। वर्ष 2008 में वैश्विक वित्तीय संकट के मद्देनजर केंद्रीय बैंकों के गवर्नर के समूह और निगरानी प्रमुखों (जीएचओएस) ने प्रति चक्रीय पूंजी उपायों की रूपरेखा बनाने की परिकल्पना की थी। जीएचओएस बासेल समिति के निर्धारित मानकों की देखरेख करने वाली इकाई है।

एसईए ने खाद्य तेल कंपनियों को कीमतों में वृद्धि से 'बचने' को कहा

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

खाद्य तेलों की कीमतों में भारी तेजी के बीच खाद्य तेल उद्योग के प्रमुख संगठन साल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन (एसईए) ने मंगलवार को अपने सदस्यों से अनुरोध किया कि वे असुविधा से बचने के लिए अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) बढ़ाने से परहेज करें और उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करें। एसईए के अध्यक्ष अतुल चतुर्वेदी ने अपने सदस्यों को लिखे एक पत्र में कहा कि देश खाद्य तेलों की ऊंची कीमतों से जूझ रहा है और रूस-यूक्रेन गतिरोध के कारण स्थिति और खराब हो गई है। उन्होंने कहा, ''ऊंची खाद्य तेल मुद्रास्फीति, भले ही यह काफी हद तक आयात के कारण हो, ने नीति-निर्माताओं को परेशान कर रखा है। हालांकि, अधिकारियों को लगता है कि व्यापारियों द्वारा खाद्य तेलों और तिलहनों की जमाखोरी से कीमतें बढ़ी हैं, लेकिन हमारा ऐसा मानना नहीं है।'' यह बताते हुए कि यह असामान्य समय है, चतुर्वेदी ने सदस्यों को भंडारण नियंत्रण आदेश के तहत निर्धारित की जा रही स्टॉक सीमा का सख्ती से पालन करने की सलाह दी। उन्होंने सदस्यों से ''असुविधा से बचने के लिए एमआरपी को बढ़ाने से बचने के लिए भी कहा। मुंबई स्थित एसईए ने भी सदस्यों से यह सुनिश्चित करने का अनुरोध किया कि आपूर्ति श्रृंखला सुचारू रूप से बनी रहे और उपभोक्ताओं को कोई कठिनाई न हो। भारत अपनी 60 प्रतिशत खाद्य तेल की मांग को आयात के माध्यम से पूरा करता है। सरकार ने कीमतों पर लगाम लगाने के लिए आयात शुल्क में कटौती, स्टॉक रखने की सीमा तय करने और जमाखोरी की जांच के लिए औचक निरीक्षण जैसे कई उपाय किए हैं।

नवरात्रि में ये 9 सपने देते हैं शुभ फल, जानिए संकेत और असर

नवरात्रि के दिनों में अधिकतर सभी माता नवदुर्गा की भक्ति में लीन रहते हैं। सुबह-शाम देवी दुर्गा की आराधना तथा निरंतर मंत्र जाप करते है। अगर आप भी नवरात्रि के पावन दिनों में सपने में कुछ खास चीजें देखते हैं, तो जानिए

1. स्वप्न शास्त्र के अनुसार नवरात्रि के दिनों में अगर सपने में आपको कन्या दिखाई देती है तो यह बहुत शुभ है, क्योंकि इन दिनों में कन्या को दुर्गा जी का रूप मानकर उसका पूजन किया जाता है। इस स्वप्न का संकेत यह है कि आप पर देवी मां अपनी कृपा बरसाने वाली है।

2. नवरात्रि के दिनों में यदि आप स्वप्न में जलता हुआ दीया देखते हैं तो यह आपको अधिक मात्रा में धनलाभ होने का संकेत माना जाता है।

3. नवरात्रि में सपने में शेर देखते हैं तो इसका मतलब अगर आप कोर्ट-कचहरी के मामलों में फंसे हुए हैं तो उसमें विजय प्राप्ति का संकेत है तथा कार्य क्षेत्र में अधिकारियों से मदद मिलने तथा नौकरी में आपका प्रभाव बढ़ने का संकेत समझा जा सकता है।

4. नवरात्रि में सपने में यदि आप माता पार्वती को देखते हैं तो इसका मतलब कार्य क्षेत्र में जल्द ही अच्छा प्रमोशन, व्यापार में लाभ तथा करियर में सफलता का संकेत है।

5. अगर सपने में आप खुद को नवरात्रि पूजा में शामिल होते देखते हैं तो यह एक शुभ स्वप्न है। यह कार्य क्षेत्र में तरक्की दिलाने वाला तथा कोई रुका हुआ कार्य जल्दी ही पूर्ण होने का संकेत समझा जा सकता है।

6. इन दिनों अगर आप स्वप्न में किसी महिला या कन्या को नृत्य करते हुए देखते हैं तो यह भी प्रचुर मात्रा में धनप्राप्ति का संकेत माना जाता है।

7. नवरात्रि में यदि आप सपने में धन की देवी माता लक्ष्मी के दर्शन करते हैं तो समझ लीजिए कि आपके जीवन से आर्थिक संकट शीघ्र ही दूर होने वाला है तथा आपको आगामी जीवन में धन संबंधी समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा तथा आपको व्यापार में भी लाभ होगा।

8. नवदुर्गा पूजन के दिनों में यदि स्वप्न में किसी भी देवी-देवता के दर्शन करते हैं तो समझ लीजिए कि स्वयं माता लक्ष्मी आपके घर पधारने वाली है तथा आपको अच्छा धनलाभ और कार्य में सफलता का संकेत हैं।

9. नवरात्रि में यदि मां दुर्गा आपको सपने में लाल वस्त्र धारण किए हुए दिखाई देती हैं यह सपना अतिशुभ माना जाता है। इसका अर्थ अब आपके जीवन में कुछ बहुत अच्छा तथा शुभ ही शुभ होने वाला माना जा सकता है।

इस हफ्ते ग्रहों की उथल-पुथल

5 अप्रैल को मंगल-शनि का मिलन

7 को कुंभ राशि में आएगा मंगल और 8 को बुध बदलेगा राशि

अप्रैल का पहला सप्ताह ज्योतिषीय नजरिये से बहुत खास रहेगा। क्योंकि इन दिनों में मंगल, बुध और शनि की चाल में महत्वपूर्ण बदलाव होगा। इस उथल-पुथल में पहले शनि और मंगल का मिलन होगा। इसके दो दिन बाद मंगल राशि का राशि परिवर्तन होगा। फिर उसके अगले दिन बुध भी राशि बदल लेगा। इस तरह तीन ग्रहों की चाल में बदलाव का शुभ-अशुभ असर देश-दुनिया सहित सभी राशियों पर रहेगा।

शनि-मंगल का मिलन (5 अप्रैल)

5 अप्रैल को सूर्योदय से तकरीबन 2 घंटे पहले शनि-मंगल एक दूसरे के इतने पास आ जाएंगे कि दोनों में करीब 10 डिग्री का ही फासला रहेगा। ये खगोलीय घटना है। जो टेलीस्कोप से देखी जा सकेगी। पुरी के ज्योतिषाचार्य डॉ. गणेश मिश्र बताते हैं कि इन दोनों क्रूर ग्रहों का नजदीक आना ठीक नहीं माना जाता है। इसलिए इनकी युति से देश-दुनिया में दुर्घटनाएं, विवाद, तनाव और अशांति बढ़ेगी। आगजनी, भूकंप या लेंडस्लाइड जैसी प्राकृतिक आपदा की आशंका रहेगी। ये घटनाएं देश-दुनिया के दक्षिण, पश्चिम या नैऋत्य कोण (दक्षिण-पश्चिम) में होने का अंदेशा ज्यादा है।

मंगल का कुंभ राशि में प्रवेश

7 अप्रैल को दोपहर तकरीबन साढ़े तीन बजे के आसपास मंगल ग्रह अपनी उच्च राशि यानी मकर से निकलकर कुंभ में प्रवेश कर जाएगा। इससे शनि-मंगल की जोड़ी तो टूटेगी लेकिन ज्योतिष में अशुभ माना जाने वाला द्विर्द्वादश योग 17 मई तक बनेगा। मंगल शनि की ही राशि में रहेगा। ये स्थिति भी देश-दुनिया में उथल-पुथल, तनाव और विवाद बढ़ाने वाली रहेगी। मंगल का राशि परिवर्तन वृष, सिंह और कन्या राशि वालों के लिए शुभ रहेगा। वहीं, अन्य राशियों के लोगों को संभलकर रहना होगा।

बुध का राशि परिवर्तन मेष में

8 अप्रैल, शुक्रवार को बुध मीन से निकलकर मेष राशि में आ जाएगा। इस राशि परिवर्तन के कारण बुधादित्य शुभ योग खत्म हो जाएगा। जिसके प्रभाव से आर्थिक और प्रशासनिक व्यवस्थाएं गड़बड़ा सकती हैं। शेयर मार्केट में बड़े उतार-चढ़ाव आने की भी संभावना है। बुध का राशि परिवर्तन मिथुन, कर्क, कन्या, वृश्चिक और मीन राशि वाले लोगों के लिए शुभ रहेगा। इन पांच राशियों के लिए फायदे वाला समय रहेगा।

श्री राम को प्रसन्न करेंगे तो मिलेंगे विजय और उन्नति के शुभ आशीष

10 अप्रैल को रामनवमी का पर्व मनाया जाएगा। इस दिन प्रभु श्रीराम का जन्म हुआ था। उनके जन्मोत्सव पर उन्हें सरल उपायों से प्रसन्न करके उनका आशीर्वाद प्राप्त कर सकते है जिससे हर क्षेत्र में विजय और उन्नति मिलेगी।',

1. रामनवमी के दिन 1 कटोरी में गंगा जल लेकर राम रक्षा मंत्र 'ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं रामचन्द्राय श्रीं नमः' का 108 बार जाप करें। फिर पूरे घर के कोने-कोने में उस जल का छिड़काव कर दें। इससे घर का वास्तुदोष तथा भूत-प्रेत, नजर बाधा, तंत्र बाधा आदि समाप्त हो जाते हैं। यह उपाय आप अपने ऑफिस-दुकान या व्यवसाय स्थल में भी कर सकते हैं।

2. राम नवमी के दिन भगवान श्रीराम के मंदिर में या उनके चित्र के सामने 3 बार अलग-अलग समय पर श्रीरामचन्द्र कृपालु भजु मन...,का पाठ करें, इससे जीवन की हर चीजें अनुकूल होने लगती है।

3. रामनवमी पर भगवान श्रीराम का पूजन और वंदन करने से सुख, समृद्धि और शांति बढ़ती है। साथ ही संतान सुख की प्राप्ति होती है।

4. नवमी के दिन लौकी खाना निषेध है, क्योंकि इस दिन लौकी का सेवन गौ-मांस के समान माना गया है। इस दिन कड़ी, पूरणपौल, खीर, पूरी, साग, भजिये, हलवा, कद्दू या आलू की सब्जी बनाई जा सकती है। माता दुर्गा और श्रीराम को भोग लगाने के बाद ही भोजन किया जाता है। इससे प्रभु श्रीराम प्रसन्न होकर आशीर्वाद देते हैं।

5. भगवान श्रीरामजी को केसर भात, खीर, कलाकंद, बर्फी, गुलाब जामुन का भोग प्रिय है। इसके अलावा हलुआ, पूरनपोळी, लड्डू और सिवइयां भी उनको पसंद हैं।

6. पंचामृत और धनिया पंजीरी दो तरह के प्रसाद उन्हें अर्पित किए जाते हैं। यह रामजी को बहुत ही पसंद है।

7. उन्हें धनिए का प्रसाद चढ़ाते हैं। इसे धनिया पंजीरी कहते हैं। इसे सौंठ पंजीरी भी कहते हैं। यह कई तरह से बनाई जाती है।

पूरे 12 सालों बाद स्वराशि मीन में गोचर करेंगे बृहस्पति

साल 2022 का अप्रैल महीना कई मायनों में खास है। अप्रैल में ही जहाँ हिन्दू नववर्ष का आरंभ होगा तो वहीं इसी माह शनि, राहु और केतु का भी गोचर होगा। लेकिन इस महीने सबसे खास बात ये होगी कि 12 सालों के बाद देवगुरु बृहस्पति अपनी स्वराशि यानी मीन में गोचर करनेवाले हैं। ऐसे में मीन राशि वालों के आनेवाले दिन खास तौर पर बदलने वाले हैं। इसके अलावा गुरु जिन-जिन भावों पर दृष्टि डालेंगे, उन भावों में शुभ फलों की वृद्धि होगी। स्वराशि में होने की वजह से गुरु बलवान होंगे और इसलिए उनका गोचर मीन के अलावा भी कई राशियों के लिए शुभ फल प्रदान करेगा। उदाहरण के लिए कर्क राशि पर गुरु की उच्च दृष्टि होगी, जबकि वृश्चिक राशि पर मित्र दृष्टि होगी। गुरु की ये शुभ दृष्टि इन राशि के जातकों को शिक्षा में सफलता देने के योग बनाएगी और संतान संबंधी सभी परेशानियों से मुक्ति दिलाएगी। गुरु ग्रह साल 2022 में 13 अप्रैल, बुधवार को सुबह के समय करीब 11 बजकर 23 मिनट पर अपना गोचर करते हुए अपनी स्वराशि मीन में प्रवेश कर जाएंगे। गुरु बृहस्पति पिछले दो वर्षों से शनि की राशियों में होने के कारण बहुत फलदायी नहीं थे। सभी नौ ग्रहों में, बृहस्पति को सबसे शुभ माना जाता है और बृहस्पति की कृपा के बिना जातकों को कोई भी शुभ फल प्राप्त नहीं होता है। ऐसे में गुरु के स्वराशि में आने के बाद उनके शुभ फलों में जबरदस्त वृद्धि होगी। बृहस्पति किसी भी राशि में 1 वर्ष तक रहता है, ऐसे में जिन जातकों की कुंडली में गुरु शुभ स्थिति में है, उनका पूरा एक साल बहुत ही लाभदायक रहनेवाला है।

हायर ने 5 स्टार ऊर्जा बचत वाले एयर कंडीशनर की रेंज बढ़ाई

फ्रॉस्ट सेल्फ-क्लीन टेक्नोलॉजी वाली सीरीज लॉन्च रिमोट कंट्रोल का एक बटन दबाकर इनडोर वेट वॉश

मुंबई। आईपीटी नेटवर्क

होम अप्लायंसेज और कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में विश्व की अग्रणी कंपनी और लगातार 13 वर्षों से प्रमुख उपकरणों के क्षेत्र में दुनिया के नंबर 1 ब्रांड, हायर ने आज एलिगेंट कूल एयर कंडीशनर के अपने क्रांतिकारी 2022 लाइन-अप लॉन्च किया जो वायु प्रदूषकों को कुशलतापूर्वक दूर करते हैं और कमरे के परिवेश के तापमान को आसानी से ठंडा करते हैं। हायर की प्रतिष्ठित फ्रॉस्ट सेल्फ क्लीन टेक्नोलॉजी वाले एलिगेंट कूल एयर कंडीशनर आपको 99.9३ तक एयर स्टरलाइजेशन देने के लिए बनाए गए हैं।

एसी की इस नई रेंज में 5.40 के उच्च आईएसईईआर शामिल है जिसके परिणामस्वरूप ये 5 स्टार एसी की तुलना में बेहतर ऊर्जा दक्षता प्रदान करते हैं। हायर ट्रिपल इन्वर्टर प्लस टेक्नोलॉजी के साथ, यूजर्स को उपयुक्त परिचालन दक्षता प्राप्त होती है और वे लागत-प्रभावशीलता भी सुनिश्चित कर सकते हैं। हायर की नई एलिगेंट कूल एयर कंडीशनर सीरीज इस गर्मी में एक नया एसी खरीदने वाले उपभोक्ताओं के लिए एकदम सही कूलिंग सॉल्यूशन है जो इस गर्मी में एक नया एसी खरीदना चाहते हैं।

लॉन्च के अवसर पर श्री सतीश एनएस, प्रेसिडेंट, हायर अप्लायंसेज इंडिया ने कहा कि 'हायर में, हम नई टेक्नोलॉजी से संचालित प्रोडक्ट्स तैयार करते हैं जो हमारे कंज्यूमर्स के जीवन को सरल और अधिक सुविधाजनक बनाते हैं। भारत में मौसम की स्थितियां अपने चरम पर होती हैं और विशेष रूप से, यहां की गर्मी झुलसाने वाली होती है। हमारा नया एलिगेंट कूल 5 स्टार एयर कंडीशनर न केवल अत्यधिक तापमान में उपयुक्त कूलिंग सुनिश्चित करता है, बल्कि लागत-दक्षता का भी ध्यान रखता है। हम बड़े होम अप्लायंसेज के क्षेत्र में स्मार्ट टेक्नोलॉजी के नए युग की शुरुआत करने का प्रयास करते हैं और हमारे एलिगेंट कूल एसी में यह सबकुछ तो है ही, लेकिन इसके अलावा, कई अन्य सुविधाएं भी हैं। हमारी बढ़ी हुई स्थानीय एसी निर्माण क्षमता के जरिये, हम भारत में एयर कंडीशनर की बढ़ती उपभोक्ता-मांग को पूरा करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।'

फ्रॉस्ट सेल्फ-क्लीन टेक्नोलॉजी

वायु प्रदूषण के बढ़ते खतरे और चिंताजनक रोग प्रसार को देखते हुए, स्वच्छ और स्वस्थ हवा आज के परिदृश्य में विलासिता नहीं, बल्कि एक आवश्यकता बन गई है। इस जरूरत को समझते हुए, हायर इंडिया ने अपनी संपूर्ण इन्वर्टर एयर कंडीशनर रेंज में फ्रॉस्ट सेल्फ-क्लीन टेक्नोलॉजी पेश की है जो 99.9% एयर स्टरलाइजेशन प्रदान करती है। इस टेक्नोलॉजी के माध्यम से, यूजर्स अपने घर के आरामदायक माहौल में बैठे-बैठे, एक बटन दबाकर पूरा इनडोर वेट वॉश कर सकते हैं। जब आप सेल्फ क्लीन फीचर को सक्रिय करते हैं, तो एसी के एवापोरेटर पर एक फ्रॉस्ट बनता है जो कॉइल पर मौजूद सभी धूल को खींच लेता है। कुछ समय बाद, फ्रॉस्ट पिघल जाती है और सारी गंदगी को पानी के रूप में नाली के पाइप से बाहर निकाल देती है। इसके जरिये यूजर्स वास्तविक इनडोर वेट वॉश प्राप्त कर सकते हैं तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ हवा में सांस ले सकते हैं।

केंद्र सरकार ने ऋण के वितरण और एथेनॉल परियोजनाओं को पूरा करने की समयसीमा बढ़ाई

नयी दिल्ली। एजेंसी।

सरकार ने एथनॉल परियोजनाओं के लिए विभिन्न योजनाओं के तहत ऋण वितरण की समयसीमा इस वर्ष 30 सितंबर तक बढ़ाई है ताकि घरेलू उत्पादन को बढ़ाया जा सके और वर्ष 2025 तक पेट्रोल में एथनॉल के 20 प्रतिशत सम्मिश्रण लक्ष्य हासिल किया जा सके। सरकार ने एक बयान में कहा कि उसने वर्ष 2018-2021 के दौरान अधिसूचित सभी योजनाओं के संबंध में ऋण के वितरण की समयसीमा 30 सितंबर, 2022 तक बढ़ाने का फैसला किया है। इस कदम का उद्देश्य संस्थाओं को अपनी परियोजनाओं को पूरा करने और ब्याज सहायता का लाभ उठाने में सुविधा प्रदान करना है। केंद्र ने वर्ष 2018-21 के दौरान चीनी मिलों और डिस्टिलरी के लिए विभिन्न ब्याज सहायता योजनाओं को अधिसूचित किया है, विशेष रूप से अधिशेष उत्पादन के दिनों में एथनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम के तहत इसका उत्पादन और इसकी आपूर्ति को बढ़ाने के लिए ऐसा किया गया है। इससे चीनी मिलों की नकदी की स्थिति में भी सुधार होगा जिससे वे किसानों का गन्ना मूल्य बकाया चुकाने में सक्षम होंगी। सरकार एक वर्ष छूट अवधि सहित पांच वर्षों के लिए बैंकों द्वारा दिए जाने वाले ऋण पर छह प्रतिशत सालाना या बैंकों द्वारा वसूली जाने वाली ब्याज दर का 50 प्रतिशत, जो भी कम हो, पर ब्याज सहायता के रूप में वित्तीय सहायता प्रदान कर रही है। योजनाओं के तहत एथनॉल परियोजनाओं के लिए ऋण के वितरण की समयसीमा मार्च/अप्रैल, 2022 तक है।

तेजी से बढ़ रहा गेहूं का निर्यात, इस साल बन सकता है एक करोड़ टन का रेकॉर्ड

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को कहा कि वैश्विक बाजार में बढ़ती मांग की वजह से देश का गेहूं निर्यात वित्त वर्ष 2022-23 में एक करोड़ टन के पार जाने की उम्मीद है। गेहूं निर्यात 2021-22 में 70 लाख टन (15,000 करोड़ रुपये से अधिक) को पार कर गया था जबकि 2020-21 में यह आंकड़ा 21.55 लाख टन रहा था। वर्ष 2019-20 में यह महज दो लाख टन (500 करोड़ रुपये) रहा था। गोयल ने संवाददाताओं से कहा, 'हम बड़े पैमाने पर गेहूं निर्यात जारी रखेंगे और उन देशों की जरूरतें पूरी करेंगे जिन्हें संघर्षरत क्षेत्रों से आपूर्ति नहीं मिल पा रही है। मेरा मानना है कि इस बार हमारा गेहूं निर्यात बहुत आसानी से 100 लाख टन से पार निकल जाएगा।' गेहूं की वैश्विक आपूर्ति में रूस और यूक्रेन की करीब एक चौथाई हिस्सेदारी रहती आई है। इन दोनों देशों में गेहूं की फसल इस साल अगस्त और सितंबर में पक जाएगी। गोयल ने कहा कि किसान भी गेहूं का उत्पादन बढ़ाने पर ध्यान दे रहे हैं और गुजरात तथा मध्य प्रदेश जैसे क्षेत्रों से पिछले वर्ष के मुकाबले अधिक आयात हो रहा है। गेहूं निर्यात के बारे में मिस्र से भारत की अंतिम दौर की बातचीत चल रही है जबकि चीन और तुर्की के साथ भी संवाद चल रहा है। इस अवसर पर विदेश व्यापार महानिदेशक (डीजीएफटी) संतोष कुमार सारंगी ने कहा कि अन्य बंदरगाहों से निर्यात सुगम बनाने के लिए वाणिज्य विभाग, खाद्य एवं जन सार्वजनिक वितरण विभाग द्वारा भी प्रयास किए जा रहे हैं। ज्यादातर निर्यात कांडला बंदरगाह से होता है। सारंगी ने बताया कि विशाखापटनम, काकीनाडा और न्हावा शेवा जैसे बंदरगाहों से गेहूं निर्यात शुरू करने के लिए रेलवे से बात चल रही है।

27 कीटनाशकों पर सरकार लगाने वाली है प्रतिबंध

नई दिल्ली। एजेंसी

केंद्रीय कृषि मंत्रालय 27 जेनेरिक एग्रो केमिकल पर प्रतिबंध लगाने की प्रक्रिया में है। इन कीटनाशकों पर प्रतिबंध लगाने की मंशा के बारे में पिछले साल ही बता दिया गया था। हालांकि, कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि इससे देश में पौधों की सुरक्षा करने वाले केमिकल की उपलब्धता में कमी आएगी। जिन एग्रो केमिकल पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी है, वे सस्ते हैं और वह अभी घरेलू खपत के करीबन 50 पर्सेंट मॉलिक्यूल में हिस्सेदारी रखते हैं।

कहीं ब्रांडेड कीटनाशक बनाने वालों का दवाब तो नहीं

सरकार ने जिन 27 कीटनाशकों की सूची तैयार की है, वे कम लागत वाले जेनेरिक पेस्टिसाइड (कीटनाशक) माने जाते हैं। ये पिछले कई दशकों से उपयोग में हैं। ऐसी बताया जाता है कि आलू जैसी कम लागत वाली फसलों में इनका उपयोग 70 पर्सेंट तक हो सकता है। ये उत्पाद अपने प्रभाव और कम लागत के कारण बाजार के पसंदीदा बन गए हैं, क्योंकि ये सभी मॉलिक्यूल अपने पेटेंट की तुलना में अब जेनेरिक ब्रांडिंग में उपलब्ध हैं। इसलिए ये ब्रांडेड या पेटेंटेड कीटनाशकों की तुलना में काफी सस्ते हैं। इसलिए ऐसा भी कहा जा रहा है कि कहीं पेटेंटेड कीटनाशक बेचने वाली लॉबी ऐसा करने के दवाब तो नहीं डाल रही है?

इस निर्णय का खाद्य सुरक्षा का पर भी होगा असर?

इस समय भारत दुनिया में दूसरा सबसे बडा खाद्यान्न निर्यातक है।

कई लोग कहते हैं कि अगर इस तरह के कदम उठाए जाते हैं तो इसका देश की खाद्य सुरक्षा स्कीम पर भी असर दिख सकता है। खास कर तब, जब लगातार आबादी बढ़ रही है और तमाम खाद्य सुरक्षा की योजनाएं भी चलाई जा रही हैं। घरेलू ब्रोकरेज के एक एक्सपर्ट ने नाम न बताने की शर्त पर कहा कि जिस तरह से हाल ही में कृषि रसायनों की उपलब्धता अचानक बाधित हो गई थी उसे यह पता चला कि जैसे कहीं कोई सिस्टम ही काम नहीं कर रहा है। एक विदेशी ब्रोकरेज के रिसर्च हेड ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि इस समय दोहरे घाटे को कम करने का कोई मतलब होगा, खासकर तब जब भारत अपने वैश्विक विकल्पों को अनुकूलित करने की कोशिश कर रहा है। एक ऐसे देश से जो पिछले तीन वर्षों में खाद्यान्न के शुद्ध निर्यातक के रूप में उभरा है, और इसके साथ ही विदेशी एक्सचेंज भी लाया है। इस तरह की अव्यवस्था और घरेलू खाद्य में कमी निर्यात पर तुरंत रोक लगा देगी।

निर्यात में भी कृषि उपज का दबदबा

देश के जीडीपी में एग्री सेक्टर का योगदान 18 फसदी का है। साथ ही मर्चेंडाइज निर्यात में इसकी 14 फीसदी की हिस्सेदारी है। दिल्ली स्थित एक थिंक-टैंक के अनुसार, 2021-22 में भारत के कृषि और संबद्ध उत्पादों का निर्यात फसल क्षेत्रों और औसत पैदावार के आधार पर 49-50 अरब डॉलर के रिकॉर्ड होने का अनुमान है। इसका आकलन है कि भारत का कृषि निर्यात अगले तीन से चार वर्षों में आसानी से 100 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है।

अमेरिका में सबसे ज्यादा होता है निर्यात

भारत से जिन कृषि वस्तुओं का निर्यात होता है, उनकी क्वालिटी में निरंतर सुधार हो रहा है। इसके साथ ही दुनिया भर में विभिन्न सुरक्षा मानकों का भी पालन हो रहा है। तभी तो यूरोपीय संघ के देश भी भारत से आयात करना शुरू कर दिए हैं। एग्रीकल्चर एंड प्रोसेस्ड फूड प्रोडक्ट एक्सपोर्ट डेवलपमेंट अथॉरिटी (एपीईडीए) के आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका भारतीय कृषि उत्पादों के लिए सबसे बड़ा निर्यात का देश बना हुआ है। इसके बाद चीन का स्थान आता है। संयुक्त अरब अमीरात को भारत कुल निर्यात का 5 पर्सेंट और सउदी अरब को 4 पर्सेंट निर्यात करता है। फूड सप्लाई चेन को एक या दो सीज़न के लिए तुरंत तय नहीं किया जा सकता है। श्रीलंका में इसका सीधा उदाहरण देखा जा रहा है।

कोरोना वायरस के लक्षणों की लिस्ट में जुड़े ये 9 नए अजीब लक्षण

ओमीक्रोन से ज्यादा तेजी फैलते है Omicron BA.2 और XE

चौथी लहर से जुझ रहे दुनिया के कई देश

एजेंसी। कोरोना वायरस का प्रकोप अभी कम होता नहीं दिख रहा है। यूरोप और एशिया के कई देशों को कोरोना की चौथी लहर का सामना करना पड़ रहा है। यह तबाही कोरोना के ओमीक्रोन सबवेरिएंट बीए.2 (Omicron BA.2) से मची हुई है। इस बीच कोरोना के नए वेरिएंट जैसे बीए1.1 (BA1.1) और एक्सई (XE) भी दस्तक दे चुके हैं, जिनमें मूल ओमीक्रोन से ज्यादा तेजी फैलने की क्षमता है। जिस तरह से कोरोना अपना फैलाव कर रहा है, उसी तरह से इसके लक्षण भी बढ़ रहे हैं। यूके हेल्थ एजेंसी एनएचएस (NHS) ने कोरोना वायरस के लक्षणों की अपनी ऑफिसियल लिस्ट में कोविड-19 के 9 नए लक्षणों (Covid-19 new symptoms) को शामिल किया है। नए लक्षणों में गले में खराश, सुस्ती और सिरदर्द शामिल हैं। एनएचएस ने कहा है कि उसने बुखार, एक नई तरह की लगातार खांसी हों और स्वाद या गंध में कमी महसूस होना तीन अन्य लक्षणों को भी अपनी आधिकारिक सूची में शामिल किया है।

कई नए लक्षण से मिलते है संकेत

एजेंसी का मानना है कि कोरोना वायरस के लक्षणों की सूची का विस्तार करने से लोगों को यह समझने में मदद मिल सकती है क्या उन्हें वाकई कोरोना के लक्षण हैं। इससे उन्हें संक्रमण को कम करने में मदद मिल सकती है। कोरोना की चौथी लहर की आशंका के बीच आपको इन लक्षणों की जानकारी होनी चाहिए। कोरोना वायरस के नए लक्षण में सांस लेने में कठिनाई, थकान महसूस करना, शरीर में दर्द होना, सिरदर्द होना, गले में खराश, नाक का बहना या बंद होना, भूख में कमी, दस्त, हमेशा बीमार महसूस करना जैसे सर्दी और फ्लू से मिलते-जुलते हो सकते हैं । हेल्थ एजेंसी ने कहा है कि लक्षण बहुत हद तक अन्य बीमारियों जैसे सर्दी और फ्लू के लक्षणों से मिलते-जुलते हैं। इसके लिए सबसे अच्छा तरीका यह है कि अगर आपको इस तरह के कुछ भी लक्षण महसूस हो रहे हैं, तो आपको कोरोना की जांच करानी चाहिए।

दुनियाभर में कोरोना के मौजूदा हालात

एजेंसी ने कहा है कि इन लक्षणों का अनुभव करने वाले व्यक्तियों को घर पर रहना चाहिए और अन्य लोगों के संपर्क से बचने की कोशिश करनी चाहिए। साथ ही कोरोना से जुड़े सभी नियमों का पालन करना चाहिए, जिससे वायरस को फैलने से रोका जा सके।

कई देशों में कोरोना की चौथी लहर की स्थिति बनी हुई है। साउथ कोरिया में रोजाना करीब पांच लाख के आसपास नए मामले मिल रहे हैं। चीन में भी अब नए मामलों का आंकड़ा हजारों की संख्या में पहुंच गया है। यहां कई शहरों में लॉकडाउन लगा दिया गया है। हालांकि भारत में फिलहाल स्थिति ठीक है और कोरोना के सख्त नियमों को धीरे-धीरे खत्म किया जा रहा है।

कोरोना के ये लक्षण भी हैं घातक

कोरोना के सामान्य लक्षणों से हटकर कुछ लक्षण हैं जो अन्य कई रोगों के लक्षणों से मिलते-जुलते हैं। आपको इन लक्षणों को समझना जरूरी है। इन लक्षणों में ब्रेन फॉग, डेलेरियम, उलझन होना, घबराहट होना और त्वचा में जलन या रंग बदलना आदि शामिल हैं। वोकल कॉर्ड मोबिलिटी, बुखार हाइपोक्सिया, आंत और पेट से जुड़े विकार और गंध की भावना कम होना जैसे लक्षणों पर भी नजर रखें। यह लक्षण कोरोना की शुरुआत से बने हुए हैं।

सीडीसी ने जारी किए कोरोना संक्रमण के 6 नए लक्षण

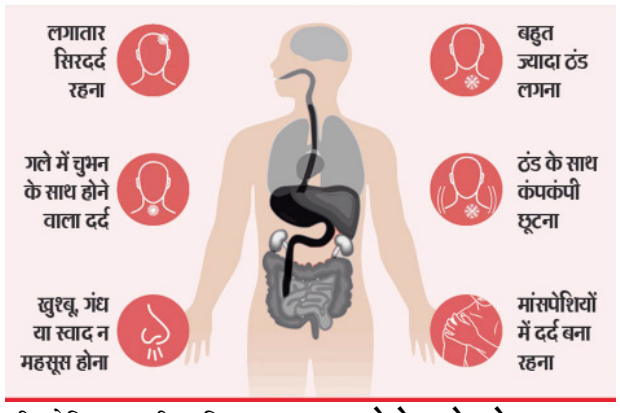

आदित्य बिरला फैशन एंड रिटेल के

न्यू तस्वा ने मध्य प्रदेश के इंदौर में खोला अपना पहला स्टोर

इंदौर।आईपीटी नेटवर्क

मशहूर डिजाइनर तरुण तहिलियानी और आदित्य बिरला फैशन एंड रिटेल लिमिटेड के नए एथनिक मेन्सवियर ब्रांड, तस्वा (TASVA) ने इंदौर में अपना पहला ब्रांड आउटलेट खोलने करने की घोषणा की। शहर के बीचों-बीच स्थित, 2,625 वर्ग फुट में फैले इंदौर स्टोर में पुरुषों के लिए वेडिंग वियर सॉल्यूशंस की एक शानदार रेंज उपलब्ध है। तस्वा कलेक्शन भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, संपन्नता और अत्याधुनिक, शिल्प और बढ़िया सिलाई का एक आदर्श मिश्रण है। यह पूर्व और पश्चिम के बेस्ट को रीप्रेजेंट करता है। कलेक्शन एक ही धागे में स्मार्ट, स्टाइलिश और बारीक कारीगरी की पेशकश करता है। कलेक्शन में अचकन, बंदगला, बॉटम्स, बूंदी, कुर्ता बूंदी सेट, कुर्ता सेट, शेरवानी, शर्ट, सिंगल कुर्ता, फुटवियरके साथ ही शॉल, स्टोल व जूते आदि जैसे एसेसरीज शामिल हैं। लॉन्चिंग के बारे में बताते हुए, तसवा के सीईओ संदीप पाल ने कहाः 'तस्वा का मतलब हैतरुण तहिलियानी की स्टाइल के साथ पारंपरिक शिल्प कौशल और कंटेंपरोरेरी डिजाइंस। मॉडर्न इंडियनमैन के लिए ओकेशनल वियर की पेशकश करके हम खुश हैं। इंदौर के स्टोर में एसेसरीज, ज्वैलरी, फुटवियर और हेडवियर की एक विस्तृत रेंज का एक डेडिकेटेड सेक्शन है और यह एक फुल वार्डरोब सॉल्यूशन उपलब्ध कराता है।हमारा लक्ष्य छोटे शहरों में उचित मूल्य पर ब्रांड को अधिक सुलभ बनाना है।'

लॉकदबॉक्स रीलोडेड इंदौर में 8 अप्रैल से 17 अप्रैल तक

बुकचोर डॉट कॉम का बुकफेयर इवेंट

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

बुकचोर डॉट कॉम (Bookchor.com) देश भर में सबसे पसंदीदा बुकफेयर इवेंट, लॉकदबॉक्स रीलोडेड (Lock The Box Reloaded), इंदौर के नए एडिशन का आयोजन कर रहा है। यह इवेन्ट 8 अप्रैल से 17 अप्रैल तक बास्केटबॉल कॉम्प्लेक्स में आयोजित होगा, जो इंदौर के पाठकों के लिए खास आकर्षण का केंद्र बनेगा। बुकचोर के बिजनेस डेवलपमेंट मैनेजर श्री निखिल वर्मा ने बताया,''इस इवेन्ट का कॉन्सेप्ट विशेष तौर पर पूरे देश में पढ़ने की आदत को प्रोत्साहन देना है। इस इवेन्ट में आपको एक-एक किताब के लिए भुगतान करने की जरूरत नहीं है। यहां आप एक बॉक्स के लिए भुगतान करते हैं और इस बॉक्स में समाने वाली सभी पुस्तकों को आप घर ले जाते हैं। इसमें किताबों की संख्या और श्रेणी को लेकर कोई प्रतिबंध नहीं है। 10 दिनों के इस आयोजन के दौरान आप एक लाख से अधिक पुस्तकों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।''

श्री निखिल वर्मा ने बताया, ''बुकचोर डॉट कॉम (Bookchor.com) 6 साल पुराना स्टार्टअप है, जिसका उद्देश्य सबसे किफायती दामों पर किताबें उपलब्ध कराकर भारतीय युवाओं में पढ़ने की आदत को बढ़ावा देना है। लॉकदबॉक्स की शुरुआत 2018 में दिल्ली से हुई थी और इंदौर में बुकचोर का आयोजन दूसरी बार हो रहा है। हमने इस इवेन्ट को पहले से 5 गुना तक बढ़ा दिया है। पहले हम लगभग 2 लाख पुस्तकें प्रदर्शित कर रहे थे, लेकिन अब रीलोडेड एडिशन में हम 10 दिनों में लगभग 10 लाख पुस्तकों का प्रदर्शन करने का प्रयास कर रहे हैं। हम हर दिन किताबों के नए सेट रखते हैं ताकि पाठकों को बाजार में उपलब्ध सर्वोत्तम कॉन्टेंट मिल सके।''

इस इवेन्ट में अंग्रेजी एवं हिंदी भाषा में विभिन्न विधाओं जैसे फिक्शन, नॉन-फिक्शन, थ्रिलर, रोमांस, दुर्लभ क्लासिक्स, किशोरों के लिए किताबें और बच्चों की किताबें उपलब्ध रहेंगी। इसमें भारतीय लेखकों के साथ-साथ दुनिया भर में सबसे ज्यादा बिकने वाले बेस्टसेलर्स की किताबें भी शामिल होंगी। इस इवेन्ट को बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई, पुणे जैसे अन्य शहरों में उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली है और उम्मीद है कि इंदौर में भी बुकचोर को जबरदस्त सराहना मिलेगी।

इस इवेन्ट में 3 तरह के बॉक्स रहेंगे, जो ग्रीक पौराणिक कथाओं के नायकों के नाम पर होंगे, जिनके नाम क्रमशः ओडीसियस बॉक्स, पर्सियस बॉक्स और सबसे बड़ा और सबसे दमदार बॉक्स- हरकुलिस बॉक्स है। पाठकों की मदद करने के उद्देश्य से, इस इवेन्ट में एक खास आयोजन भी शामिल है, जिसमें पाठक अपनी उपयोग की गई पुरानी पुस्तकों को बेच सकते हैं। यह प्रक्रिया बहुत सरल है। पाठकों को एक सेलिंग ऐप, डम्प ('DUMP') डाउनलोड करना है, जिसके जरिये वे अपनी पुरानी किताबों की बिक्री कर सकते हैं और कैश प्राप्त कर सकते हैं।

डेटा को अधिक सुलभ बनाने के लिए गूगल ने की डेटा क्लाउड एलायंस की घोषणा

सैन फ्रांसिस्को। एजेंसी

गूगल ने बुधवार को एक नए डेटा क्लाउड एलायंस की घोषणा की, जो डेटा को अधिक पोर्टेबल और व्यावसायिक प्रणालियों, प्लेटफार्मों और वातावरण में सुलभ बनाएगा। गठबंधन में संस्थापक भागीदार के रूप में एक्सेंचर, कंफ्लुएंट, डेटाब्रिक्स, डेटैकु, डेलॉइट, मोंगोडीबी, रेडिस, स्टारबर्स्ट और अन्य हैं। सदस्य कई वातावरणों में कई प्लेटफार्मों और प्रोडक्टस के बीच डेटा पोर्टेबिलिटी और पहुंच सुनिश्चित करने के लिए बुनियादी ढांचा, एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस (एपीआई) और एकीकरण का समर्थन प्रदान करेंगे। 2023 तक, 60 प्रतिशत संगठन तीन या अधिक एनालिटिक्स समाधानों का उपयोग व्यावसायिक एप्लीकेशन्स के निर्माण के लिए करेंगे ताकि अंतर्दृष्टि को कार्यों से जोड़ा जा सके। गूगल क्लाउड में उत्पाद प्रबंधन के निदेशक सुधीर हस्बे ने कहा, संगठनों को डेटा-संचालित परिवर्तनों में तेजी लाने के लिए फ्लेक्सिबिलिटी, अंतर-क्षमता और चुस्ती प्रदान करने के लिए, हमने अपने डेटा क्लाउड पार्टनर इकोसिस्टम का काफी विस्तार किया है और कई नए क्षेत्रों में अपने पार्टनर निवेश को बढ़ा रहे हैं। मंगलवार की देर रात अपने डेटा क्लाउड समिट के हिस्से के रूप में, गूगल क्लाउड ने ग्राहकों के सवालों के साथ मान्य साझेदार एकीकरण की पहचान करने में मदद करने के लिए एक नई गूगल क्लाउड रेडी बिगक्येरी पहल शुरू की और भागीदारों को अपने डेटा को साझा करने और मुद्रीकृत करने में मदद करने के लिए अपने एनलाइटिक्स हब का एक पब्लिक प्रिव्यु किया। एनलाइटिक्स हब बिगक्येरी पर निर्मित एक पूरी तरह से प्रबंधित सेवा है जो डेटा साझाकरण भागीदारों को किसी भी संगठनात्मक सीमा के पार मूल्यवान डेटा और विश्लेषण संपत्तियों का कुशलतापूर्वक और सुरक्षित रूप से आदान-प्रदान करने की अनुमति देती है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित । संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।